www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 202 || लखनऊ
शनिवार
24 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:11
सूर्यास्तः 05:31
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 07

विशेष समाचार | संयुक्त राष्ट्र की साख पर... »पेज 04 | आगरा के 4 दोस्तों की जयपुर... »पेज 06 | 'ऐश्वर्या को छूने पर सलमान खान...

'जनजीवन में बदलाव प्रशासन का लक्ष्य'

लखनऊ में सीएम योगी ने कहा- पिछले 9 सालों में प्रदेश ने विकास का सफर किया

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रशासन की सार्थकता तभी साबित होती है, जब उसके काम से आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए। इसके लिए लोक सेवकों का दक्ष, संवेदनशील और जवाबदेह होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले माफियाराज और नीतिगत उदासीनता विकास में बाधा बने हुए थे। पिछले 9 सालों में प्रदेश ने विकास का सफर तय किया है। शुक्रवार को लोकभवन में दो दिवसीय क्षेत्रीय साधना श्रृंखला-2026 की शुरुआत के मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक कार्यसंस्कृति में सुधार और सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक बनाने पर जोर दिया। इस कार्यशाला में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह सहित आठ राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुख और विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यशाला में अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुरूप प्रशिक्षण देने, संस्थानों की कमियां दूर करने और सरकारी कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार मिशन कर्मयोगी जैसी पहलों के जरिए प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई दिशा दे रही है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा- व्यवस्थाएं पारदर्शी एवं जवाबदेह बनें

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से ही प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया गया है, जिसमें नागरिकों का विश्वास बढ़े। साथ ही सरकारी सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनें। उत्तर प्रदेश ने इन सुधारों को अपनाने और क्षमता विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मिशन कर्मयोगी के तहत प्रदेश का प्रथम स्थान प्राप्त करना और आई-गॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर सर्वाधिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे करना महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

'उत्तर प्रदेश का अनुभव दूसरे राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक'

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सुशासन और प्रशासनिक क्षमता विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय रोल मॉडल के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने प्रदेश सरकार, अधिकारियों और प्रशिक्षण संस्थानों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का अनुभव दूसरे राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक साबित हो सकता है।

12 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए

कार्यशाला में उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रशिक्षण संस्थानों की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा की गई। उनकी कमियां दूर करने, सुधार के लिए समयसीमा तय करने, संस्थानों के बीच तालमेल बढ़ाने, संसाधनों का साझा इस्तेमाल करने और बेहतर प्रशिक्षक तैयार करने जैसे मुद्दों पर विचार किया गया।

"योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार मिशन कर्मयोगी जैसी पहलों के जरिए प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई दिशा दे रही है। उन्होंने दावा किया कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी बीमारू छवि से बाहर निकलकर विकास की दिशा में आगे बढ़ने का सफर तय किया है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार मिशन कर्मयोगी जैसी पहलों के जरिए प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई दिशा दे रही है।"

'साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त करने की दिशा में पहल'

डॉ. सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 में केंद्र सरकार बनने के बाद राजपत्रित अधिकारियों से दस्तावेजों के सत्यापन की अनिवार्यता समाप्त करने और सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने जैसे कदम उठाए गए। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद भर्ती में साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त करने की दिशा में पहल की गई, ताकि चयन प्रक्रिया में भेदभाव की आशंकाओं को कम किया जा सके। आई-गॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर देशभर में लगभग 1.70 करोड़ कार्मिकों के पंजीकरण के बीच उत्तर प्रदेश के 19 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं का पंजीकृत होना प्रदेश की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रदेश में योग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर बड़ी संख्या में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे किए गए हैं। उन्नति पोर्टल पर यूपी के 350 से अधिक प्रशिक्षण संस्थानों और प्रशिक्षण इकाइयों का पंजीकरण किया गया है।

यूपी एमएलसी की 11 सीटों पर वोटिंग खत्म

55.24 प्रतिशत कुल मतदान हुआ

क्रम	निर्वाचन क्षेत्र	सीट का प्रकार	दोपहर 12 बजे तक मतदान
1	मेरठ	स्नातक	18.12%
2	आगरा	स्नातक	18.05%
3	लखनऊ	स्नातक	15.73%
4	वाराणसी	स्नातक	15.08%
5	इलाहाबाद-झांसी	स्नातक	13.35%
6	बरेली-मुरादाबाद	शिक्षक	38.16%
7	गोरखपुर-फैजाबाद	शिक्षक	36.07%
8	वाराणसी	शिक्षक	34.71%
9	मेरठ	शिक्षक	32.44%
10	आगरा	शिक्षक	26.70%
11	लखनऊ	शिक्षक	16.61%

मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान सुबह आठ बजे शुरू होकर शाम चार बजे समाप्त हो गया।

इन चुनावों में पांच खंड स्नातक और छह खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की सीटें शामिल हैं। कुल 14,81,310 पंजीकृत मतदाताओं को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना था। मतदान के लिए प्रदेश के 72 जिलों में 2,697 मतदेय स्थल बनाए गए थे।

किन-किन क्षेत्रों में हुआ मतदान?

पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ, आगरा, मेरठ, वाराणसी और इलाहाबाद-झांसी शामिल हैं। वहीं, छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ, आगरा, मेरठ, वाराणसी, बरेली-मुरादाबाद और गोरखपुर-फैजाबाद शामिल हैं।

किस निर्वाचन क्षेत्र में कितने प्रतिशत मतदान हुआ?

दोपहर 12 बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, सभी 11 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 24.09% मतदान दर्ज किया गया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 05 खण्ड स्नातक एवं 06 खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के लिए हो रहे मतदान के दौरान पूर्वाह्न 10:00 बजे अपने निर्धारित मतदेय स्थल, बूथ संख्या-224 (स्नातक), केंद्रीय विद्यालय, विकास खण्ड-2, गोमती नगर, लखनऊ में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

फास्ट न्यूज

भाजपा को सलाह, राहुल को गंभीरता से ले : थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को भाजपा को सलाह दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को राहुल गांधी को गंभीरता से लेना चाहिए, क्योंकि पिछले कुछ महीनों में राहुल ने युवा मतदाताओं में पॉपुलैरिटी हासिल की है। थरूर एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में बोल रहे थे।

चुनाव आयुक्तों ने शिकायत की, लेकिन अफसर पर एक्शन नहीं

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के अफसर मनीष गर्ग के कामकाज के विवाद पर अब नई जानकारी सामने आई है। RTI से खुलासा हुआ है कि दो चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को अलग-अलग लेटर लिखकर उनके कामकाज की शिकायत की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। RTI जवाब में बताया गया, कैबिनेट सचिवालय ने ये शिकायतें चुनाव आयोग की ओर से आधिकारिक नहीं मानीं। सचिवालय का मानना था कि इस स्तर पर कार्रवाई करना उचित नहीं होगा।

दिल्ली-चेन्नई इंडिगो फ्लाइट को धमकी

नई दिल्ली। चेन्नई जा रही इंडिगो की फ्लाइट को शुक्रवार दोपहर धमकी का संदेश मिला। इसके बाद विमान दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस बे में लौट आया। विमान के एक टॉयलेट में यह संदेश लिखा मिला- "डू नॉट फ्लाय 6E 6091" फ्लाइट 6E 6091 ने उड़ान नहीं भरी। उड़ान करीब 3:15 बजे रवाना होने वाली थी।

बिहार की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट

पति-पत्नी समेत 7 की मौत, मकान के बाहर बिखरे शव

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

सीवान। बिहार के सीवान में पटाखा बनाने के दौरान हुए ब्लास्ट में पति-पत्नी और उनकी बेटी समेत 7 की मौत हो गई। जामो थाना क्षेत्र के अलमापुर गांव के एक मकान में पटाखे बनाए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक धमाके होने लगे। इस धमाके में पूरा मकान उड़ गया। लोगों के शव सड़क पर बिखर गए। घटना की सूचना मिलने के बाद सदर एसडीओ आशुतोष गुप्ता, महाराजगंज एसडीपीओ अमन और बड़हरिया, जामो, गोरेयाकोठी समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची है। अधिकारी घटनास्थल की जायजा ले रहे हैं। एसडीपीओ ने बताया कि दमकल की गाड़ियां की मदद से आग बुझाने की कोशिश की जा रही है। आग पर काबू पाने के बाद मामले की जांच की जाएगी। एसपी भारत सोनी ने बताया कि अब तक शवों की पहचान नहीं हो सकी है। जिस मकान में पटाखे बनाए जा रहे थे, वह घनी आबादी वाले इलाके में है।

इनसे निपटने को एकजुट होना जरूरी, अमृत महोत्सव में स्वामी चिन्मयानंद के थ्री-डी अवतार से बात की

समाज को बांटने वाली ताकतें सक्रिय : मोदी

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। पीएम मोदी शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में 'चिन्मय अमृत महोत्सव' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक बुराइयों से निपटने और बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। गौरतलब है कि स्वामी चिन्मयानंद का निधन 3 अगस्त 1993 में हो गया था। चिन्मय मिशन एक वैश्विक आध्यात्मिक आंदोलन है, जिसकी स्थापना 1951 में स्वामी चिन्मयानंद ने की थी। चिन्मय मिशन की स्थापना के 75 साल पूरे होने पर 3 दिन का आयोजन हो रहा है। यह 25 अक्टूबर तक चलेगा। आज उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

2015 में मुझे स्वामी जी की स्मृति में एक सिक्का जारी करने का मौका मिला था। मैंने कहा था कि स्वामी जी का जीवन एक प्रतीक है। उनके गुरु ने उन्हें आशीर्वाद दिया था- 'गो, रोर लाइक अ लॉयन' यानी जाओ, शेर की तरह दहाड़ो।

मोदी ने कहा- देश ऋषियों-राष्ट्रभक्तों की राह पर

●**विकसित भारत और चिन्मय मिशन का रास्ता एक:** मोदी ने कहा- जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, जब चिन्मय मिशन भी 100 साल पूरे करेगा। यानी विकसित भारत और चिन्मय मिशन का रास्ता एक है।

●**देश ऋषियों-राष्ट्रभक्तों की राह पर:** एक समय भारत से बहुत सी मूर्तियां चोरी कर विदेश ले जाई गईं। हम पिछले 12 साल में ऐसी 600 मूर्तियां वापस लाए हैं। देश अब उस राह पर आगे बढ़ रहा है, जिसका सपना हमारे ऋषियों और राष्ट्रभक्तों ने देखा था।

●**वेदों में लिखा है राष्ट्र को महान बनाएं:** अब चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव भी भारत के अमृत काल से जुड़ रहा है। हमारे वेदों में लिखा है- राष्ट्र का हित चाहने वाले हम लोग राष्ट्र को महान बनाएं।

पीएम ने कहा- "दशकों में समय बदला है, नई चुनौतियां सामने आई हैं और नई सामाजिक बुराइयां पैदा हुई हैं। आज, इन समस्याओं को सुलझाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।" उन्होंने आगे कहा, "हमें समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होना होगा, आत्मनिर्भर बनने के लिए लोगों प्रेरित करना होगा, हर व्यक्ति को 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन से जोड़ना होगा।"

मोदी बोले- विकसित भारत और चिन्मय मिशन का रास्ता एक

बीते दशकों में समय बदला है। देश के सामने नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आज उसके समाधान का काम हम सबके सामने है। आज हमें आत्मनिर्भरता के लिए देश को जागरूक करना है। हमें 2047 के विकसित भारत संकल्प से सबको जोड़ना है। जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, जब चिन्मय मिशन भी 100 साल पूरे करेगा।

अरुणाचल में चीन से झड़पें हुईं : शत्रुजीत कपूर

गलवान रिपीट न हो इसलिए फोकस ड्रोन फोर्स पर, रिटायरमेंट से 7 दिन पहले बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। ITBP के DG शत्रुजीत कपूर ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में चीन और भारत के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। कई जगह टकराव की स्थिति भी बनी। यह अभी भी जारी है। शत्रुजीत गुरुवार को राजस्थान के अलवर के सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में हिमवीर सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह माना कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश में ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ा दी है। गलवान रिपीट ना हो इसलिए फोकस ड्रोन फोर्स पर होना चाहिए। शत्रुजीत ने यह बयान अपने रिटायरमेंट के 7 दिन पहले दिया है।

विदेश मंत्रालय बोला- चीनी सैनिक गलत पेट्रोलिंग करते, तब हालात बिगड़ते

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शत्रुजीत कपूर के बयान पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि LAC पर समय-समय पर स्थिति तब बिगड़ती है, जब चीनी सैनिक तय गश्त पैटर्न से अलग हटकर गतिविधियां करते हैं। भारत ने जोर देकर कहा कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए जरूरी है।

शत्रुजीत ने कहा- 3 बैठकों के बाद भी तनाव जारी, 5 बड़ी बातें

ITBP के DG ने कहा कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें (WMCC, विशेष प्रतिनिधि वार्ता, कोर कमांडर स्तर) हुईं, लेकिन तनाव बरकरार रहा। इसी बीच सितंबर में 18वां ब्रिक्स सम्मेलन भी हुआ, जिसमें हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए थे।

1. अरुणाचल में तनाव जारी

अरुणाचल प्रदेश में कई जगह भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच आमने-सामने की स्थिति बनी और यह अब भी जारी है।

2. ड्रोन पर 1,000 करोड़ खर्च करने की तैयारी

ITBP की बड़ी आधुनिकीकरण योजना में करीब 4,000 करोड़ की मंजूरी मिलने पर 1,000 करोड़ ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम के लिए रखे जाएंगे। मौजूदा 400 करोड़ की योजना में भी 70% राशि ड्रोन क्षमता बढ़ाने के लिए तय की गई है।

3. हर बॉर्डर बटालियन में ड्रोन प्लाटून

ITBP ने अपनी सभी सीमा सुरक्षा बटालियनों में ड्रोन प्लाटून बनाई हैं। फोर्स ड्रोन पायलटों को प्रशिक्षण दे रही है और अपने ड्रोन खुद बनाने पर भी काम कर रही है।

4. LAC पर भूमिगत शेल्टर बनाए जा रहे

आधुनिक युद्ध में जमीन के ऊपर मौजूद जवान और इमारतें आसानी से निशाना बन सकते हैं। इसलिए ITBP ने सीमा चौकियों पर पायलट प्रोजेक्ट के तहत भूमिगत ढांचे बनाने शुरू किए हैं, जिन्हें आगे स्थायी सुरक्षा व्यवस्था के रूप में विकसित करने की योजना है।

5. गलवान जैसी स्थिति से निपटने के लिए 'स्ट्राइक' ट्रेनिंग

ITBP ने जवानों को आधुनिक युद्ध कौशल और नई रणनीतियों का प्रशिक्षण देने के लिए 'स्ट्राइक' नाम का नया कोर्स शुरू किया है। 2027 के अंत तक पूरी फोर्स को यह प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है। इसके अलावा, हर बटालियन में शौर्य कमांडो टीम विकसित करने की योजना भी है।

नेहा बोरा को पीस बॉन्ड के ₹10 हजार भरने होंगे

16 अक्टूबर के एसआईआर प्रदर्शन में शांति भंग करने का आरोप

खारिज

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में SIR के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल AISA अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिका शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। नेहा ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट की ओर से जारी उस नोटिस को चुनौती दी थी, जिसमें शांति बनाए रखने के लिए 10 हजार का निजी बांड भरने को कहा गया था। अब नेहा को पीस बॉन्ड भरना होगा। हालांकि कोर्ट ने मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए कि इस मामले से जुड़े सारे दस्तावेज नेहा बोरा को उपलब्ध कराए जाएं। कोर्ट ने 22 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मार्च CJP के 'लहरा दो तिरंगा' कार्यक्रम से जुड़ा था। उन्हें अगले दिन रिहा कर दिया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

नेहा बोरा दिल्ली के मंडी हाउस इलाके में प्रदर्शन करने आई थीं। 15 मिनट बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था।

लखनऊ में भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत ■ गन्ने का दाम बढ़ाने की मांग

वोट चोर सरकार गन्ने धान की चोरी कर रही : टिकैत

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में गन्ने का दाम बढ़ाने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत चल रही है। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा-ये लोग तो चोरी कर रहे। इन्होंने धान की चोरी करी, गन्ने की चोरी करी, मंदिर में चोरी करी, चंदे की चोरी करी, वोट की चोरी करी। ये तो चोर हैं पकड़े जा रहे। लेकिन जज भी इन्हीं का है और वकील भी इन्हीं के हैं। पुलिस भी, आईओ भी इन्हीं का है। भाकियू युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत ने कहा- खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन उपज का दाम नहीं मिल रहा। 2022 में किसानों की आमदनी दोगुनी करने की बात कही गई थी, लेकिन किसान अब भी परेशान हैं।

लखनऊ के गन्ना संस्थान परिसर में हो रही महापंचायत में एक हजार से अधिक किसान पहुंचे हैं। इनमें बड़ी संख्या में महिला किसान भी शामिल हैं। किसानों ने राकेश टिकैत का फूल बरसाकर स्वागत किया। किसान पंचायत में राकेश टिकैत का फूल बरसाकर स्वागत किया गया। भारतीय किसान यूनियन युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत ने कहा कि गन्ना किसान परेशान हैं। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान अपनी समस्याएं सरकार और गन्ना आयुक्त के सामने रखने के लिए महापंचायत में पहुंचे हैं।

> महापंचायत में शामिल होने के लिए किसान गुरुवार से ही पहुंचने लगे थे। हालांकि, गन्ना संस्थान का गेट बंद होने और अनुमति नहीं मिलने की जानकारी पर किसान नाराज हो गए। इसके बाद राकेश टिकैत के साथ एक हजार से अधिक किसान रात में ही गेट पर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी करने लगे। किसानों का गुस्सा बढ़ता देख प्रशासन ने महापंचायत की अनुमति दे दी और सुबह गेट खुलवा दिए।

चीनी का रेट बढ़ा लेकिन गन्ने का रेट नहीं मिला-राकेश टिकैत

राकेश टिकैत ने कहा- किसानों को गन्ने का पिछले साल का भुगतान नहीं मिला है। गन्ने का रेट भी कम है। चीनी का रेट बढ़ रहा लेकिन किसानों को लाभ नहीं मिल रहा। किसानों के फसलों का रेट भी कम है। बिना सर्किल रेट बढ़ाए जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा। फसल से ज्यादा किसान जमीन के लिए संघर्ष कर रहा। हाईवे निकल रही, इंडस्ट्रियल जोन बन रही। किसानों की आय दुगुनी करने पर सरकार झूठ बोल रही है।

राकेश टिकैत बोले-सरकार धान-गन्ने से लेकर वोट तक की चोरी कर रही

राकेश टिकैत ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा- ये लोग तो चोरी कर रहे। इन्होंने धान की चोरी करी, गन्ने की चोरी करी, मंदिर में चोरी करी, चंदे की चोरी करी, वोट की चोरी करी। ये तो चोर हैं पकड़े जा रहे। लेकिन जज भी इन्हीं का है और वकील भी इन्हीं के हैं। पुलिस भी, आईओ भी इन्हीं का है।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने टीजीटी के 17,735 पदों पर निकाली भर्ती

23 व 24 दिसंबर को आयोजित होगी परीक्षा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक सहायक अध्यापक (T.G.T.) के रिक्त 17,735 पदों पर सीधी भर्ती हेतु आधिकारिक विज्ञापन (विज्ञापन संख्या- 07/2026) जारी कर दिया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार द्वारा बताया गया है कि विज्ञापित पदों के सापेक्ष आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की सुगमता एवं प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के दृष्टिगत 'वन टाइम रजिस्ट्रेशन' (OTR) व्यवस्था लागू की गई है। अभ्यर्थियों के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि वे पहले ओटीआर प्रक्रिया पूर्ण करें, उसके उपरांत ही प्रशिक्षित स्नातक सहायक अध्यापक पद हेतु अपना ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें। विज्ञापित पदों की शैक्षिक अर्हता एवं पात्रता के संबंध में अलग से कोई व्यक्तिगत परामर्श नहीं दिया जाएगा। अतः अभ्यर्थी विस्तृत विज्ञापन निर्देश पुस्तिका आयोग की आधिकारिक वेबसाइट [suspicious link removed] पर जाकर ध्यानपूर्वक पढ़ सकते हैं। निर्धारित अर्हता पूरी करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का भली-भांति अध्ययन करने के बाद निर्धारित तिथियों में अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

- अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में होगी शिक्षकों की नियुक्ति आवेदन हेतु 'ओटीआर' अनिवार्य
- 24 अक्टूबर से शुरू होंगे ऑनलाइन आवेदन, 23 नवंबर तक जमा होगा शुल्क; 23 व 24 दिसंबर को आयोजित होगी परीक्षा

फास्ट न्यूज

कुष्ठ रोग उन्मूलन के लिए कार्ययोजना

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कुष्ठ रोग के नए मामलों की शीघ्र पहचान, संक्रमण की रोकथाम और दिव्यांगता में कमी लाने के लिए पांच वर्षीय कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इसके तहत प्राथमिकता वाले जिलों और ब्लॉकों की पहचान, स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण, नियमित समीक्षा और प्रभावित लोगों को जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

लखनऊ में डेंगू के 13 नए संक्रमित मिले

लखनऊ । लखनऊ में डेंगू के नए मरीज मिलने का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को 13 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इनमें इंदिरा-नगर में सबसे ज्यादा 5, चंदरनगर में 4, अलीगंज और रेडक्रास में 2-2 मरीज मिले। वहीं, फैजुल्लागंज के हनुमंतनगर और गाजीपुर बलराम में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 70 घरों का सर्वे किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फैजुल्लागंज की प्रभारी डॉ. आसमा ने आशा और ANM की टीम के साथ शुक्रवार को स्वास्थ्य सर्वे किया। इस दौरान लोगों को जरूरी दवाएं, क्लोरीन की गोलियां और ORS के पैकेट बांटे गए।

दो टाटा मैजिक गाड़ियों में लगी आग

लखनऊ। लखनऊ के अमीनाबाद के मॉडल हाउस स्थित तारक मुखर्जी रोड और कैंट रोड के उदयगंज में शुक्रवार तड़के दो टाटा मैजिक गाड़ियों में आग लग गई। सूचना पर पहुंची दमकल की टीमों ने आग पर काबू पा लिया। दोनों घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई। शुक्रवार रात 1:54 बजे हजरतगंज फायर स्टेशन के कंट्रोल रूम को अमीनाबाद के मॉडल हाउस स्थित तारक मुखर्जी रोड पर टाटा मैजिक हाफ डाला में आग लगने की सूचना मिली।

ओवरब्रिज पर कार और बाइक की टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ के पारा ओवरब्रिज पर शुक्रवार को स्विफ्ट कार और बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार भूपेंद्र (21) गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से उसे लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक, भूपेंद्र पुत्र ललित लाल नगर, हरदोईया मोड़, थाना काकोरी का निवासी है। वह बाइक से जा रहा था। बताया जा रहा है कि वह रॉन्ग साइड से ओवरब्रिज पर चढ़ रहा था। इसी दौरान अवध चौराहे की तरफ से आ रही स्विफ्ट कार से उसकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोपहिया वाहन कार में जा घुसा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ओवरब्रिज पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने घायल को अस्पताल भिजवाया और यातायात सुचारु कराने का प्रयास किया।

> ट्यूटी पर जा रहा युवक घायल, हालत नाजुक होने पर ट्रामा सेंटर रेफर

हादसे में शामिल स्विफ्ट कार का नंबर यूपी32एनके1079 और दोपहिया वाहन का नंबर यूपी32केबी6332 बताया जा रहा है। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, कार चालक समेत उसमें सवार लोग मौके से फरार हो गए।

जज बोले- हत्या जैसे गंभीर आरोप, जमानत नहीं दे सकते, बहन और ड्राइवर को भी राहत नहीं

मॉडल श्रद्धा दुबे जेल में ही रहेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के करोड़पति कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में शुक्रवार को आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की जमानत खारिज कर दी गई। श्रद्धा की बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर उर्फ दानिश को भी राहत नहीं मिली।

तीनों ने CJM कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी। कोर्ट ने अपराध को गंभीर मानते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा-मामला गंभीर प्रकृति का है और इसका ट्रायल सेशन कोर्ट में होना है। ऐसे में जमानत देने का उचित आधार नहीं बनता है।

श्रद्धा समेत तीनों आरोपियों को 20 अक्टूबर को नागपुर के एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया था। गुरुवार को लखनऊ में 6 घंटे 35 मिनट तक पूछताछ की गई। इसके बाद तीनों को 10 दिन के लिए जेल भेज दिया गया।

शिवा पर 16-17 लाख का कर्ज था

श्रद्धा ने दावा किया कि शिवा पर करीब 16-17 लाख रुपए का कर्ज था और उसने उससे पैसे मांगे थे। श्रद्धा के मुताबिक, एक महीने पहले शिवा उसके घर से 5-6 लाख रुपए की ज्वेलरी ले गया था। उसने इसे दोनों का निजी मामला बताया।

लखनऊ में 9 अक्टूबर को शिवा की श्रद्धा के फ्लैट से गिरकर मौत हो गई थी। शिवा की मां ने श्रद्धा के खिलाफ हत्या की FIR दर्ज कराई थी, जिसके बाद से श्रद्धा फरार चल रही थी। श्रद्धा ने कहा कि उसने शिवा को चौथी मंजिल से कूदते हुए अपनी आंखों से देखा था। बिल्डिंग के CCTV फुटेज निकलने पर वह बेकसूर साबित हो जाएगी। श्रद्धा ने कहा कि शिवा की मौत के बाद वह सदमे में थी और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही थी। उसने आरोप लगाया कि शिवा के परिवार ने उसके ड्राइवर से मारपीट की और हत्या का आरोप लगाया, जिससे वह घबरा गई।

लखनऊ जेल में श्रद्धा और उसकी बहन अलग-अलग बैरक में

गुरुवार देर शाम जेल में दाखिले के दौरान श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और चालक तनवीर अली उर्फ दानिश की तलाशी ली गई। श्रद्धा ने कुछ आपत्ति जताई, लेकिन जेल अधिकारियों ने उसकी एक नहीं सुनी। इसके बाद जेल के डॉक्टरों और फार्मासिस्ट ने तीनों का मेडिकल परीक्षण किया। जेल रिकॉर्ड में उनका व्यक्तिगत और पारिवारिक ब्योरा दर्ज किया गया। जेल में दाखिले की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद श्रद्धा और उसकी बहन रश्मि को महिला बैरक के क्वारंटाइन बैरक में अन्य महिला बंदियों से अलग रखा गया। वहीं, चालक दानिश को पुरुष बैरक में बंद किया गया।

> श्रद्धा के मुताबिक, वह शिवा को करीब चार महीने से जानती थी। शुरुआत के ढाई महीने तक दोनों दोस्त थे। उसने आरोप लगाया कि शिवा की मां उसे पसंद नहीं करती थीं, इसलिए उस पर गलत आरोप लगाए गए।

गोवंश संरक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, प्रदेशभर की गौशालाओं की नियमित निगरानी के निर्देश

गौशालाओं में लापरवाही पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद सख्त

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने गौशालाओं में गोवंश के संरक्षण, देखभाल एवं व्यवस्थाओं में लापरवाही के मामलों को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। बदायूँ जनपद के दो खंड विकास अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की गई है,। कासगंज जनपद के पटियाली विकास खंड के खंड विकास अधिकारी श्री संजीव कुमार को कथित वीडियो प्रकरण के संबंध में निलंबित कर मुख्यालय से संबद्ध किया गया है।*

मौर्य ने बदायूँ जनपद के म्याऊँ विकास खंड के खंड विकास अधिकारी श्री राकेश कुमार निराला को अभिगांव गौशाला में 20 गोवंश की मृत्यु के मामले में प्रथमदृष्टया जिम्मेदार पाया गया है। गौशाला की निर्धारित क्षमता 100 गोवंश होने के बावजूद वहां 428 गोवंश संरक्षित पाए गए। जनपद में पूर्व से रेड अलर्ट जारी होने के बावजूद अस्थायी व्यवस्था एवं अतिरिक्त शेड की व्यवस्था नहीं कराए जाने को गंभीर लापरवाही माना गया है। इस प्रकरण में उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999 के नियम-7 के अंतर्गत अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित करते हुए संयुक्त विकास आयुक्त, बरेली मंडल को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

इसी प्रकार, बदायूँ के सालारपुर विकास खंड के खंड विकास अधिकारी श्री नितिन कुमार के विरुद्ध गौशाला में 14 गोवंश की मृत्यु एवं लापरवाही के मामले में अनुशासनिक कार्यवाही संस्थित की गई है। एक कथित वीडियो का स्वतः संज्ञान लेते हुए श्री मौर्य ने कासगंज जनपद के पटियाली विकास खंड के खंड विकास अधिकारी श्री संजीव कुमार से संबंधित सामने आने के बाद प्रथमदृष्टया गंभीर अनियमितता के संकेतों को देखते हुए उन्हें निलंबित कर मुख्यालय से संबद्ध किया गया है।

> बदायूँ के दो खंड विकास अधिकारियों पर अनुशासनिक कार्रवाई

> मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रदेश की सभी गौशालाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। जहां भी अव्यवस्था, अनियमितता, संसाधनों की कमी अथवा गोवंश की देखभाल में लापरवाही सामने आए, वहां संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

कोहरे में एक्सप्रेसवे पर घटेगी वाहनों की रफ्तार

लखनऊ । सर्दियों में कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने तैयारी शुरू कर दी है। आगरा-लखनऊ, पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गोरखपुर लिंक और गंगा एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएंगे। सभी संबंधित एजेंसियों को 31 अक्टूबर 2026 तक जरूरी तैयारियां पूरी करनी होंगी।

1 नवंबर से 15 फरवरी तक स्पीड लिमिट लागू होगी। इसके तहत वाहनों की गति सीमा कम करने, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करने, कोहरा गश्ती दल तैनात करने और आपातकालीन सेवाओं को मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए हैं। यूपीडा के सीईओ दीपक कुमार ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। कोहरे के दौरान कम दिखाई देने से हादसों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सभी एजेंसियों को समय पर सुरक्षा इंतजाम पूरे करने और गति सीमा का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इको गार्डन के बाहर आशा बहनों का प्रदर्शन

अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरीं आशा बहनें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में इको गार्डन के बाहर शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहीं आशा बहनों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी कर अपनी मांगों को उठाया और सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। सड़क जाम होने से आवागमन प्रभावित हुआ और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इको गार्डन में पिछले कई दिनों से विभिन्न स्वास्थ्यकर्मी अपनी मांगों और अधिकारों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को आशा बहनों ने भी आंदोलन में भाग लेते हुए सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन-कारी अपनी मांगों का समाधान किए जाने की मांग कर रही थीं। उनका कहना था कि समस्याओं पर ध्यान देकर उचित कदम उठाए जाएं। आंदोलन के चलते क्षेत्र में कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। आशा बहनों ने मांगें पूरी होने तक अपनी आवाज उठाते रहने की बात कही।

आदेश : हाई कोर्ट में चुनाव आयोग ने दिया भरोसा आयोग के आश्वासन पर याचिका निस्तारित

विधान परिषद चुनाव में मतदान की हो रही निर्बाध वीडियोग्राफी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधान परिषद की लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन सीट पर मतदान के दौरान सभी मतदान केंद्रों के भीतर लगातार और निर्बाध वीडियोग्राफी कराई जा रही है। भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में यह भरोसा देने के बाद गुरुवार को कोर्ट ने याचिका निस्तारित कर दी।

न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने सोमवार को यह आदेश पारित किया। इस याचिका पर आयोग की ओर से अदालत को बताया कि निर्वाचन अधिकारियों की पुस्तिका के प्रावधानों के अनुपालन के लिए पहले ही व्यवस्था की जा चुकी है। मतदान की वीडियोग्राफी आयोग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कराई जाएगी। इस आश्वासन के बाद याची की ओर से कहा गया कि उसकी शिकायत का समाधान हो गया है।

> मतदान केंद्रों पर रिकॉर्डिंग की व्यवस्था सुनिश्चित

याची की मुख्य मांग थी कि मतदान के दिन सभी मतदान केंद्रों के भीतर होने वाली चुनावी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाए और यह रिकॉर्डिंग लगातार तथा बिना किसी रुकावट के हो। इसके लिए जवाबदेह अधिकारी की निगरानी में व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षक-स्नातक कोटे की 11 सीटों के लिए मतदान हो रहा है। विधान परिषद की 11 सीटों में पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की हैं। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा। कुल 14.81 लाख मतदाता 152 प्रत्याशियों के भाग्य का निर्णय करेंगे। चुनाव के लिए 2697 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ और इलाहाबाद-झांसी सीट शामिल हैं।

निर्वाचन अधिकारियों की पुस्तिका के प्रावधानों का हवाला

याची ने भारत निर्वाचन आयोग की फरवरी 2016 में प्रकाशित राज्यसभा और राज्य विधान परिषद चुनावों के लिए रिटर्निंग अधिकारियों की पुस्तिका के पैरा 49 का हवाला दिया था। साथ ही, पुस्तिका के अध्याय नौ के पैरा 14 में वीडियोग्राफी के लिए निर्धारित प्रक्रिया का भी उल्लेख किया गया।

> लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी शैलेंद्र सिंह ने यह याचिका दाखिल की थी। याची ने नामांकन भी दाखिल किया है और नौ अक्टूबर 2026 को जारी प्रारूप सात-बी की प्रत्याशियों की सूची में उसका नाम क्रमांक 13 पर दर्ज है।

राजधानी में बीबीएयू के प्रोफेसर से 50.19 लाख की ठगी

एलआईसी पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर ऐंठे रुपए, 6 महीने तक ट्रांसफर कराई रकम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के रायबरेली रोड स्थित एल्डिको-2 निवासी बीबीएयू के प्रोफेसर दिनेश राज मोदी से एलआईसी की लैप्स पॉलिसी दोबारा चालू कराने के नाम पर 50.19 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने खुद को एलआईसी के दिल्ली स्थित हेड ऑफिस के अकाउंट विभाग का अधिकारी बताकर प्रोफेसर से संपर्क किया। इसके बाद पॉलिसी रिन्यू कराने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करा ली।

पीड़ित के मुताबिक, अप्रैल 2026 में उनके मोबाइल पर विक्रम सिंह नाम के व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को LIC के दिल्ली स्थित हेड ऑफिस के अकाउंट विभाग में तैनात बताया और कहा कि उनकी पॉलिसी लैप्स हो गई है। उसे दोबारा चालू कराने के लिए उसने H. Lalduhsange और अनित पनवर नाम के कथित अधिकारियों से फोन और व्हाट्सएप पर संपर्क करने को कहा।

दिनेश राज मोदी ने बताया आरोपियों ने उन्हें विश्वास में लेकर अलग-अलग बैंक खातों की जानकारी दी। इनमें दिव्यांशु पटेल, संस्कार यादव और डीके एंटरप्राइजेज के नाम से जुड़े खाते शामिल थे। आरोपियों के कहने पर उन्होंने 16 अप्रैल 2026 को पहली बार दो लाख रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद आरोपी पॉलिसी दोबारा चालू कराने के नाम पर उनसे लगातार रकम जमा कराते रहे। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें अपनी बातों में उलझाकर और डराकर 16 अप्रैल से 16 अक्टूबर 2026 के बीच अलग-अलग बैंक खातों में कुल 50 लाख 19 हजार 800 रुपए ट्रांसफर करा लिए। मामले में इंस्पेक्टर साइबर थाना आलोक राव का कहना है 22 लाख रुपए फ्रीज किया गया है, जालसाजों की तलाश में पुलिस लगी है।

वार्डों की व्यवस्था और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में सुधार के निर्देश

जिला अस्पताल में कायाकल्प टीम का निरीक्षण

नाराजगी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की स्थिति परखने के लिए शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे कायाकल्प लखनऊ की टीम ने निरीक्षण किया। डॉ. अविनाश यादव के नेतृत्व में पहुंची टीम ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई से लेकर अलग-अलग वार्डों की व्यवस्था और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के कुछ हिस्सों में गंदगी मिलने पर टीम ने नाराजगी जताई और संबंधित कर्मचारियों को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। टीम ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना जरूरी है। कायाकल्प टीम ने जिला अस्पताल पहुंचकर परिसर की साफ-सफाई और रखरखाव की स्थिति देखी। इसके बाद अलग-अलग वार्डों में जाकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अस्पताल प्रशासन को सुधार के निर्देश

निरीक्षण के दौरान कायाकल्प टीम ने अस्पताल प्रशासन से कमियों को दूर करने और व्यवस्थाओं को निर्धारित नियमों के अनुरूप बनाए रखने को कहा। टीम की ओर से बताए गए बिंदुओं पर अस्पताल प्रशासन ने आवश्यक सुधार कराने की बात कही। अस्पताल में सफाई व्यवस्था और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए संबंधित कर्मचारियों की जिम्मेदारी अहम है। निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को दूर करने के साथ ही व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी भी जरूरी होगी।

गंदगी मिलने पर टीम ने जताई नाराजगी

निरीक्षण के दौरान अस्पताल के कुछ हिस्सों में गंदगी मिलने पर कायाकल्प टीम ने नाराजगी जताई। टीम ने संबंधित कर्मचारियों को तत्काल सफाई व्यवस्था ठीक कराने के निर्देश दिए। अस्पताल जैसे स्वास्थ्य संस्थान में साफ-सफाई को जरूरी बताते हुए टीम ने कहा कि मरीजों को स्वच्छ वातावरण मिलना चाहिए। अस्पताल में आने वाले मरीज पहले से ही बीमारी और परेशानी से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में परिसर और वार्डों में गंदगी उनकी मुश्किलें बढ़ा सकती है। इसलिए सफाई व्यवस्था को नियमित रूप से दुरुस्त रखना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को दूर करने और अस्पताल में साफ-सफाई की स्थिति बेहतर बनाए रखने पर जोर दिया गया।

मूल्यांकन के विस्तृत परिणाम नहीं आए सामने

निरीक्षण के दौरान नीरज सचान और अविनाश यादव समेत अस्पताल से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। हालांकि, कायाकल्प टीम को निरीक्षण में किन-किन मानकों पर कमियां मिलीं और जिला अस्पताल को मूल्यांकन में कितने अंक प्राप्त हुए, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

नुक्कड़ नाटक से साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

महराजगंज में साइबर ठगी से बचने के बताए तरीके, 1930 पर शिकायत की अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज, रायबरेली। महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत शुक्रवार को महराजगंज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिशन शक्ति और साइबर सुरक्षा टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं, बालिकाओं और आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए। कार्यक्रम यूपी महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन के आदेश पर आयोजित किया गया। इस दौरान लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचने और डिजिटल सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान टीम ने साइबर ठगी, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर ग्रूमिंग और साइबर बुलिंग जैसे अपराधों के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा ओटीपी और यूपीआई धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट तथा फर्जी लिंक के जरिए की जाने वाली ठगी के प्रति भी लोगों को सचेत किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समझाया गया कि साइबर अपराधी किस तरह लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनकी निजी और बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। मिशन शक्ति टीम ने लोगों से अपील की कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाते से जुड़ी जानकारी या यूपीआई पिन साझा न करें। किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी विश्वसनीयता की जांच जरूर करें। संदिग्ध कॉल और मैसेज पर भरोसा करने से बचें और अपनी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। टीम ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर डराकर पैसे मांगने वालों से भी सावधान रहने की सलाह दी। लोगों को बताया गया कि इस तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए किसी भी संदिग्ध कॉल पर घबराकर पैसे ट्रांसफर न करें और पहले मामले की सत्यता की जांच करें। पुलिस टीम ने बताया कि साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

फास्ट न्यूज

महिला ने तीन बेटियों को दिया जन्म

उन्नाव। उन्नाव जिला महिला अस्पताल में गुरुवार रात को एक महिला ने एक साथ तीन बेटियों को जन्म दिया। खास बात यह रही कि तीनों बच्चियां स्वस्थ हैं और प्रत्येक का वजन दो किलो से अधिक है।

महिला की भी हालत सामान्य बताई गई है। तीन बच्चों की एक साथ डिलीवरी होने के बाद अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने जच्चा-बच्चा की निगरानी की। चिकित्सकों के मुताबिक, तीनों बच्चियां रो रही हैं।

खाद की 35 दुकानों पर छापेमारी, 7 नमूने भरे

उन्नाव। उन्नाव जिले में शुक्रवार को खाद की दुकानों पर छापेमारी की गई। कालाबाजारी और ओवररेटिंग रोकने के लिए 35 दुकानों की जांच हुई। इस दौरान संदिग्ध स्टॉक से 7 नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जिलाधिकारी के निर्देश पर बनी संयुक्त टीमों ने अलग-अलग तहसीलों में दुकानों का निरीक्षण किया। उप कृषि निदेशक रविचंद्र प्रकाश, जिला कृषि अधिकारी शशांक, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक अनुराग कुमार, कृषि रक्षा अधिकारी भीमसेन और भूमि संरक्षण अधिकारी राम नरेश सहित कई अधिकारियों ने स्टॉक, बिक्री और वितरण के रिकॉर्ड जांचे।

टैक्सी ड्राइवर के खाते से उड़े 3.40 लाख

हरदोई। हरदोई में किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) का लोन मंजूर होने के बाद खाते में आए 5 लाख रुपए में से साइबर ठगों ने 3.40 लाख रुपए पार कर दिए। नोएडा में टैक्सी चलाने वाले हरदोई के ग्रामीण को खाते से रुपए निकलने की जानकारी तक नहीं मिली। पीड़ित के मुताबिक, इस दौरान न कोई OTP आया और न ही ट्रांजैक्शन का मैसेज मिला।

परिजनों पर लगाए जमीन की जालसाजी के आरोप

5 करोड़ के नुकसान का दावा, संपत्ति बिकवाने की शिकायत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र के हिंदू खेड़ा गांव के रहने वाले अरविंद्र सिंह उर्फ पप्पू (45) ने करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी और जमीन की जालसाजी का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि उन्हें करीब चार से पांच करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है।

शुक्रवार को उन्होंने एसपी कार्यालय में शिकायत पत्र देकर जांच की मांग की है। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि जमीन के एग्रीमेंट में उलझाकर उनकी संपत्ति बिकवा दी गई। उन्होंने परिवार के सदस्य रंजन लाल मिश्रा, श्यामा मिश्रा, नीरज मिश्रा, भाई नारद सिंह, भाभी सर्वेश सिंह, रामकिशोर पांडेय, हरिशंकर कुशवाहा और बहनोई राजकुमार सिंह चंदेल समेत कई अन्य लोगों पर आरोप लगाए हैं। अरविंद्र ने

अपने पिता की हत्या का भी आरोप लगाया है, जिसमें अब तक आरोपियों को सजा नहीं मिली। उन्होंने बताया कि वे अपनी 13 साल की बेटी के साथ मुश्किल में हैं।

पीड़ित ने मामले की सीबीआई जांच, हड़पी गई संपत्ति में हिस्सा और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस मामले को लेकर सीओ मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के निष्कर्ष और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में 27,616 अभ्यर्थी देंगे पीईटी परीक्षा

चार अतिरिक्त बसें चलाएगा परिवहन विभाग, 13 विद्यालयों में बनाए गए परीक्षा केंद्र

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET) को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। परीक्षा के लिए शहर के 13 विद्यालयों को केंद्र बनाया गया है, जहां कुल 27,616 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षार्थियों को केंद्रों तक पहुंचने में आवागमन की परेशानी न हो, इसके लिए परिवहन विभाग ने अतिरिक्त बसों के संचालन की व्यवस्था की है। लोकल रूट पर चार अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इसके साथ ही अलग-अलग रूटों पर संचालित रोडवेज बसों के फेरे भी बढ़ाए जाएंगे, ताकि छात्र-छात्राएं समय से अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंच सकें। जिले में परिवहन निगम की 102 रोडवेज बसें अलग-अलग मार्गों पर संचालित हो रही हैं। इनमें लखनऊ-कानपुर, गोरखपुर, दिल्ली, पुरवा-मौरावां और रायबरेली-भगवंतनगर समेत अन्य रूट शामिल हैं। परीक्षा के दौरान यात्रियों और अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इन मार्गों पर बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। अतिरिक्त बसों और बढ़े हुए फेरों से अभ्यर्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने में मदद मिलेगी। विभाग की व्यवस्था का उद्देश्य परीक्षा के दौरान परिवहन संबंधी दिक्कतों को कम करना है। इससे परीक्षार्थियों के साथ आम यात्रियों को भी आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

लोकल रूट पर चलेंगी चार अतिरिक्त बसें

PET परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की आवाजाही बढ़ने की संभावना को देखते हुए परिवहन विभाग ने बसों की उपलब्धता बढ़ाने का निर्णय लिया है। लोकल रूट पर चार अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी। इससे जिले के विभिन्न क्षेत्रों से उन्नाव शहर आने वाले परीक्षार्थियों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। विभाग का प्रयास है कि बसों की उपलब्धता बेहतर रहने से अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में अनावश्यक देरी का सामना न करना पड़े।

समय से परीक्षा केंद्र पहुंचाने की तैयारी

शहर के 13 विद्यालयों में परीक्षा केंद्र बनाए जाने के कारण अलग-अलग क्षेत्रों से अभ्यर्थियों का उन्नाव पहुंचना होगा। ऐसे में परिवहन विभाग बसों के संचालन को व्यवस्थित रखने पर जोर दे रहा है। अतिरिक्त बसों और बढ़े हुए फेरों से अभ्यर्थियों को समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने में मदद मिलेगी। विभाग की व्यवस्था का उद्देश्य परीक्षा के दौरान परिवहन संबंधी दिक्कतों को कम करना है।

विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप, भाई का दावा- शरीर पर चोट के निशान

तमसा संकेत, एजेंसी

अनीता के भाई ने बताया कि शुक्रवार दोपहर फोन पर उन्हें बहन के फांसी लगाने की सूचना मिली। जब वह परिजनों के साथ पहुंचे तो शव नीचे उतारकर रखा गया था। भाई ने अनीता के गले पर निशान, हाथ पर चोट और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी निशान होने का दावा किया। मायके वालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही अनीता को दहेज के लिए परेशान किया जा रहा था। हालांकि, मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

उन्नाव। जिले के असोहा थाना क्षेत्र के उतरौरा गांव में शुक्रवार को 25 वर्षीय विवाहिता अनीता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ससुराल पक्ष ने मायके वालों को अनीता के फांसी लगाने की सूचना दी। वहीं, मायके पक्ष ने हत्या और दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद मामले को लेकर दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक, अनीता की शादी 15 जनवरी 2021 को सोनू के साथ हुई थी। दंपती का एक बेटा है, जो बोल नहीं पाता। अनीता के पति सोनू विदेश में नौकरी करते थे और करीब एक महीने पहले ही घर लौटे थे। शुक्रवार को अनीता की मौत की सूचना मिलने के बाद परिवार में

शोक का माहौल है। ससुराल पक्ष की ओर से मायके वालों को अनीता के फांसी लगाने की जानकारी दी गई। इसके विपरीत, मायके पक्ष ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने की बात भी कही है। हालांकि, इन आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। विवाहिता की मौत के कारणों और मायके पक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। मौत के पीछे की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

थाने में सुलह का दबाव बनाने का आरोप

मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचने पर उन पर सुलह करने का दबाव बनाया गया। परिजनों का कहना है कि वे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई चाहते हैं और किसी तरह के दबाव में समझौता नहीं करना चाहते। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे पोस्टमार्टम हाउस में परिजनों ने ये आरोप लगाए। थानाध्यक्ष फूल सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मानदेय नहीं मिलने पर केयर-टेकर महिलाओं का प्रदर्शन

5 साल से नहीं मिला वेतन, डीएम को सौंपा 5 सूत्रीय ज्ञापन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद में जनकल्याण केयरटेकर संगठन के बैनर तले कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार की दोपहर 1 बजे सैकड़ों सामुदायिक शौचालय केयरटेकर महिलाओं ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। बीते कई सालों से मानदेय न मिलने से नाराज महिलाओं ने डीएम को सम्बोधित ज्ञापन जिला पंचायत राज अधिकारी को सौंपा।

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के दौरान संगठन की प्रदेश अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) ने बताया कि जिले में तैनात केयरटेकर महिलाएं पिछले 5 सालों से अपनी सेवाएं पूरी निष्ठा के साथ दे रही हैं, लेकिन इसके बावजूद कई महीने और सालों से उनका मानदेय रुका हुआ है। आरोप है कि इस संबंध में शासन स्तर पर पत्राचार होने के बाद भी निचले स्तर पर तैनात ग्राम सचिव और ग्राम प्रधान लापरवाही बरत रहे हैं। मानदेय न मिलने से केयरटेकर महिलाओं के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन के माध्यम से महिलाओं ने अपनी पांच प्रमुख मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। उन्होंने मांग की कि रुका हुआ मानदेय तत्काल जारी किया जाए और किसी भी केयरटेकर को बिना नोटिस दिए न हटाया जाए। साथ ही मानदेय का भुगतान स्वयं सहायता समूह के खाते के बजाय सीधे केयरटेकर के व्यक्तिगत खाते में करने, पिछले पांच सालों से कार्यरत महिलाओं के मानदेय में बढ़ोतरी करने तथा सभी को ईपीएफ और ईएसआई स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द ही उनकी मांगों पर विचार कर ठोस कदम नहीं उठाया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगी। इस मौके पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार, महामंत्री अमित कुमार, विधिक सलाहकार सुशील कुमार, महिला प्रकोष्ठ से रेनू समेत राधा नीलम, आरती, पूजा, संजना, संगीता, रूबी, छोटी बिटिया, महक, सुनीता, अनीता, कविता, माहेश्वरी आदि रहीं।

एमएलसी चुनाव के लिए मतदान जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद में लखनऊ खंड के शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया शुक्रवार की सुबह 8:00 बजे से शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हो गई है। मतदान को लेकर मतदाताओं में सुबह से ही खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह 8 बजे से ही लोग कतारबद्ध होकर अपने-अपने पोलिंग बूथों पर पहुंचने लगे और मताधिकार का प्रयोग किया। क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं को मुख्य मुद्दा मानते हुए वोटरों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डीएम राहुल पांडे और एसपी अशोक कुमार मीणा ने शाहाबाद तहसील के तहत टोडरपुर समेत अन्य बूथों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निष्पक्ष और

शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिए जिले के सभी 20 मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के अभेद्य इंतजाम किए गए हैं। पोलिंग बूथों पर तैनात पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ हर आने-जाने वाले की तलाशी लेने के बाद ही अंदर जाने की अनुमति दे रहा है। बता दें कि इस चुनाव में स्नातक एमएलसी पद के लिए 47,875 मतदाता 16 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला कर रहे हैं, वहीं शिक्षक एमएलसी पद के लिए 6,482 मतदाता मैदान में उतरे 13प्रत्याशियों की किस्मत तय कर रहे हैं।

हाथ जोड़कर बच्चों की गुहार, पापा आ जाओ

बाराबंकी। बाराबंकी में अफेयर के चलते 5 बच्चों की मां और 3 बच्चों का पिता अपने बच्चों को छोड़कर घर से फरार हो गए। युवक के बच्चों ने रोते हुए पिता से घर लौटने की गुहार लगाई है। बच्चों ने हाथ जोड़कर रोते हुए कहा- पापा प्लीज घर आ जाओ, हम लोग और मां आपका इंतजार कर रहे हैं। महिला के पति ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। दोनों के घर की दूरी दो किमी है। मामला कोतवाली नगर और जहांगीराबाद थाना क्षेत्र से जुड़ा है। कोतवाली नगर क्षेत्र के जीतनगर के रहने वाले अंकित गुप्ता (35) सेल्समैन का काम करते हैं। वह बाइक से दुकानों पर सामान पहुंचाते हैं। करीब 15 साल पहले उनकी शादी अनीता देवी (33) से हुई थी। दंपती के 3 बच्चे हैं। सबसे बड़ा बेटा 12 साल का है, जबकि सबसे छोटा बेटा महज एक साल का है। पत्नी अनीता का आरोप है कि अंकित 8 अक्टूबर को पथरी का इलाज कराने की बात कहकर घर से निकले थे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे और उनका मोबाइल फोन भी बंद है।

चेतावनी : सपा के राष्ट्रीय सचिव ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील की

गड़बड़ी करने वाले अफसरों को जेल जाना पड़ सकता है

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अरविंद सिंह गोप ने शुक्रवार को एमएलसी चुनाव में मतदान प्रक्रिया को लेकर अधिकारियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गोप ने चेताया कि यदि चुनाव में गड़बड़ी करने की बात सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है। अरविंद सिंह गोप ने इंडिया गठबंधन की ओर से पीलीभीत में कथित चुनावी गड़बड़ी को लेकर किए गए खुलासे का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। मतदान के दौरान किसी भी तरह की अनियमितता सामने आने पर उसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग दोहराई

सपा नेता ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी दोहराई। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए।

गोप के बयान के बाद बाराबंकी में एमएलसी चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

सपा नेता ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी दोहराई।

सपा कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील

अरविंद सिंह गोप ने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं से मतदान के दौरान सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी गड़बड़ी दिखाई देती है तो इसकी जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को दी जाए, जिससे समय रहते कार्रवाई हो सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदान प्रक्रिया पर नजर रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाने को कहा।

चुनाव आयोग के कामकाज पर उठाए सवाल

सपा के राष्ट्रीय सचिव ने चुनाव आयोग के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखी जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से निष्पक्ष तरीके से चुनाव संपन्न कराने की अपेक्षा जताई।

सम्पादकीय

संयुक्त राष्ट्र का रवैया

संयुक्त राष्ट्र अपनी महत्ता और विश्वसनीयता किस तरह खो रहा है, इसका ताजा प्रमाण है उसके मानवाधिकार और आतंकवाद-रोधी मामलों के विशेष प्रतिवेदक बेन साल की रिपोर्ट में यह कहा जाना कि आतंकी सरगना दाऊद इब्राहिम का गिरोह भारत आधारित है। इस पर हैरानी नहीं कि इस कारण उसे भारत की फटकार सुननी पड़ी।

अपनी इस फजीहत के लिए संयुक्त राष्ट्र स्वयं के अतिरिक्त अन्य किसी को दोष नहीं दे सकता। दाऊद इब्राहिम के बारे में ऐसी भ्रामक और नितांत झूठी जानकारी संयुक्त राष्ट्र के कामकाज के तरीकों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। समझना कठिन है कि आतंकी सरगना के रूप में दुनिया भर में कुख्यात दाऊद को लेकर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिवेदक इस नतीजे पर कैसे पहुंच गए कि वह भारत में सक्रिय है, जबकि पिछले कई दशकों से वह पाकिस्तान में रह रहा है।

भारत समय-समय पर इसके प्रमाण भी उपलब्ध कराता रहा है। इसके अतिरिक्त अमेरिका ने 2023 में दाऊद को वैश्विक आतंकी नामित किया था और उस पर इनाम भी रखा था। अमेरिका का यह भी निष्कर्ष था कि वह कराची में छिपा है। यही भारत कहता रहा है। दाऊद इब्राहिम को भारत आधारित गिरोह बताने वाली रिपोर्ट आस्ट्रेलिया के प्रोफेसर बेन साल के नेतृत्व में तैयार हुई है। संभव है कि इसे तैयार करने में उन लोगों का भी हाथ हो, जो भारत के प्रति दुराग्रह से ग्रस्त हैं। वैसे खुद बेन साल की विश्वसनीयता भी संदिग्ध है। एक रिपोर्ट के अनुसार उनके कार्यालय को चीन से भारी-भरकम राशि मिली थी। इसके बाद बेन साल ने चीन में उइगर मुसलमानों के अत्याचारों पर बयान जारी करने से इन्कार कर दिया था। संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद-रोधी मामलों को देखने वालों की ओर से दाऊद के बारे में शरारतपूर्ण रिपोर्ट तैयार किए जाने से यही लगता है कि आतंक के मामले में उन्होंने कामचलाऊ रवैया अपना रखा है। शायद इसका कारण संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों में पाकिस्तान जैसे कई ऐसे देशों का सक्रिय होना भी है, जो खुले-छिपे रूप से आतंक की पैरवी करते हैं और यह किसी से छिपा नहीं कि चीन किस तरह उसे भारत के खिलाफ अपना मोहरा बनाए हुए है। यह अच्छा हुआ कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र को याद दिलाया कि दाऊद उसी पाकिस्तान में रहता है, जहां ओसामा बिन लादेन पाया गया था। यह चिंताजनक है कि अभी हाल में संयुक्त राष्ट्र की ओर से भारत में हो रहे प्रदर्शनों से निपटने के तरीकों पर भी चिंता जताई गई थी। यह अनावश्यक चिंता थी और इस पर भी उसे भारत के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिरोध से अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी सहमति जताई थी। यदि संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रतिष्ठा बचाना चाहता है तो उसे अपना रवैया सुधारना ही होगा।

संयुक्त राष्ट्र की साख पर सवाल सुधार से ही बचेगी प्रतिष्ठा

> संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी सुरक्षा परिषद की संरचना में दिखाई देती है। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को प्राप्त वीटो अधिकार कई बार वैश्विक शांति से अधिक उनके राष्ट्रीय हितों की रक्षा का माध्यम बन जाता है।

संयुक्त राष्ट्र दिवस केवल एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना का उत्सव नहीं, बल्कि विश्व शांति, मानवाधिकारों, न्याय, समानता और राष्ट्रों के बीच सहयोग के उन संकल्पों को याद करने का अवसर है, जिनके आधार पर द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के बाद इस संगठन की स्थापना हुई थी। 24 अक्टूबर, 1945 को संयुक्त राष्ट्र चार्टर लागू होने के साथ दुनिया ने एक ऐसी व्यवस्था की उम्मीद की थी, जिसमें युद्ध की जगह संवाद, टकराव की जगह सहयोग और शक्ति के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता मिलेगी। किंतु आज, जब दुनिया अनेक युद्धों, आतंकवाद, भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और मानवीय संकटों से जूझ रही है, तब संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, निष्पक्षता और प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। जिस संगठन से विश्व समुदाय को न्याय की अपेक्षा थी, उसकी कार्यप्रणाली ही संदेह के घेरे में आने लगे तो आत्ममंथन अनिवार्य हो जाता है। संयुक्त राष्ट्र की उपलब्धियों को नकारना उचित नहीं होगा। उसने अंतरराष्ट्रीय संवाद के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराया, मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा के माध्यम से मानवीय गरिमा के वैश्विक मानक स्थापित किए और अनेक देशों में शांतिरक्षा अभियानों के जरिए स्थिरता बहाल करने का प्रयास किया। विश्व स्वास्थ्य, बाल कल्याण, शिक्षा, शरणार्थियों की सहायता तथा सतत विकास के क्षेत्रों में उसकी विभिन्न संस्थाओं ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसके बावजूद मूल प्रश्न यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र अपने सबसे महत्वपूर्ण दायित्व-युद्ध रोकने, आतंकवाद पर प्रभावी अंकुश लगाने और सभी राष्ट्रों के साथ समान व्यवहार करने में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर पाया है? आज का अनुभव इस प्रश्न का संतोषजनक उत्तर नहीं देता। जब किसी युद्ध या मानवीय त्रासदी पर प्रभावी निर्णय भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण रुक जाता है, तब संयुक्त राष्ट्र की घोषणाएं और अपीलें अपनी नैतिक शक्ति खोने लगती हैं। गाजा, यूक्रेन और सीरिया जैसे संघर्षों ने यह प्रश्न तीखा किया है कि क्या विश्व शांति का दायित्व निभाने वाला संगठन वास्तव में निर्णायक भूमिका निभाने में सक्षम है? विडंबना यह है कि दुनिया बदल गई, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की निर्णय व्यवस्था काफी हद तक उसी पुराने शक्ति-संतुलन में बंधी हुई है। संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों का ताजा उदाहरण दाऊद इब्राहिम और उसके गिरोह डी-कंपनी से जुड़ा विवाद है। आतंकवाद और मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक बेन साल की रिपोर्ट में डी-कंपनी को 'भारत आधारित' आपराधिक गिरोह बताया गया। भारत ने 21 अक्टूबर 2026 को संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में इस विवरण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे तथ्यात्मक रूप से गलत और संगठन की साख को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। भारतीय प्रतिनिधि रघु पुरी ने दाऊद के आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े इतिहास और संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में दर्ज तथ्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि दाऊद भारत में वांछित अपराधी है और भारत के अनुसार पाकिस्तान में रह रहा है।

यह प्रकरण इसलिए गंभीर है कि आतंकवाद जैसे संवेदनशील विषय पर तथ्यात्मक शुद्धता और निष्पक्षता सर्वोपरि होनी चाहिए। किसी आतंकवादी गिरोह की भौगोलिक पहचान को लेकर गलत या अधूरी जानकारी सामने आना केवल एक रिपोर्ट की त्रुटि नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी प्रयासों की विश्वसनीयता का प्रश्न है। हालांकि किसी एक रिपोर्ट की गलती से पूरे संगठन के प्रत्येक कार्य को खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन ऐसी त्रुटियों की जांच, सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। विशेष प्रतिवेदकों की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, किंतु स्वतंत्रता का अर्थ तथ्यों और उत्तरदायित्व से मुक्त होना नहीं है। इसी प्रकार मानवाधिकारों के मामले में भी संयुक्त राष्ट्र को संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। मानवाधिकार किसी राष्ट्र की सीमाओं में कैद विषय नहीं हैं, लेकिन उनकी रक्षा के नाम पर किसी देश के विरुद्ध निष्कर्ष निकालने से पहले प्रमाणों, परिस्थितियों और आतंकवाद से प्रभावित नागरिकों के अधिकारों को समान गंभीरता से देखना चाहिए। आतंकवाद के पीड़ितों के मानवाधिकार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने आतंकवाद से निपटने के दौरान किसी निर्दोष व्यक्ति के अधिकार। यदि आतंकवाद के प्रायोजकों, हिंसा के जिम्मेदार लोगों और पीड़ितों के प्रति दृष्टिकोण में असमानता दिखाई देती है, तो निष्पक्षता पर संदेह स्वाभाविक है। संयुक्त राष्ट्र के सामने एक दूसरी बड़ी चुनौती प्रतिनिधित्व की असमानता है। भारत, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे क्षेत्रों की बढ़ती वैश्विक भूमिका के बावजूद सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता और वीटो व्यवस्था में व्यापक सुधार नहीं हो पाया है। दुनिया की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने वाली व्यवस्था के बिना संयुक्त राष्ट्र को अधिक लोकतांत्रिक और प्रतिनिधिक बनाना कठिन है। आतंकवाद के विरुद्ध साझा रणनीति, युद्धविराम की प्रभावी व्यवस्था, मानवीय सहायता की निर्बाध उपलब्धता और अंतरराष्ट्रीय कानून के समान अनुपालन को भी प्राथमिकता देनी होगी। संयुक्त राष्ट्र दिवस पर आत्ममंथन का वास्तविक अर्थ केवल उसकी उपलब्धियों का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी कमियों को स्वीकार कर सुधार का संकल्प लेना है। संगठन को अपने निर्णयों में पारदर्शिता, रिपोर्टों में तथ्यात्मक शुद्धता, अधिकारियों की जवाबदेही और सभी देशों के प्रति निष्पक्षता सुनिश्चित करनी होगी। वीटो अधिकार के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने, सुरक्षा परिषद के विस्तार और आतंकवाद के विरुद्ध दोहरे मानदंड समाप्त करने की दिशा में ठोस पहल करनी होगी। आज जब दुनिया युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, मानवीय संकट और राष्ट्रों के बीच बढ़ते अविश्वास के दौर से गुजर रही है, तब संयुक्त राष्ट्र दिवस की प्रासंगिकता और जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

ललित गर्ग

भारत ने गरीबी कम ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

जनहित ही जनादेश जनतंत्र जनकल्याण हेतु

भारतीय जनतंत्र को जनता के कल्याण पर केंद्रित करने का सबसे विश्वसनीय आधार स्वयं भारतीय संविधान में मौजूद है। संविधान के अनुच्छेद 38 में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय पर आधारित व्यवस्था स्थापित करने तथा आय, प्रतिष्ठा, सुविधाओं और अवसरों की असमानताओं को कम करने का निर्देश दिया गया है। अनुच्छेद 39 आजीविका, संसाधनों के जनहितकारी वितरण और आर्थिक शक्ति के संकेंद्रण को रोकने जैसे उद्देश्यों पर बल देता है। अनुच्छेद 47 पोषण, जीवन स्तर और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार को राज्य के प्रमुख दायित्वों में रखता है। इन संवैधानिक आदर्शों को शासन के दैनिक निर्णयों, बजट और प्रशासनिक जवाबदेही में उतारना ही जनकल्याणकारी जनतंत्र की दिशा में पहला कदम है।

जनकल्याणकारी जनतंत्र का अर्थ केवल गरीबों को आर्थिक सहायता देना या चुनाव से पहले नई योजनाओं की घोषणा करना नहीं है। इसका वास्तविक उद्देश्य ऐसी व्यवस्था बनाना है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार, न्याय और विकास के समान अवसर प्राप्त हों। सरकार की सफलता का मूल्यांकन केवल सकल घरेलू उत्पाद, विदेशी निवेश, शेयर बाजार अथवा बड़ी परियोजनाओं से नहीं होना चाहिए। यह भी देखना चाहिए कि आम परिवार की आय कितनी बढ़ी, बच्चों की शिक्षा कितनी बेहतर हुई, इलाज का खर्च कितना कम हुआ और नागरिकों को सरकारी सेवाएं प्राप्त करने में कितनी कठिनाई हुई।

भारत ने गरीबी कम करने और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के जनवरी 2024 में प्रकाशित चर्चा पत्र के अनुसार, बहुआयामी गरीबी का अनुमानित अनुपात 2013-14 के 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हुआ। इस अवधि में लगभग 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए। यह अनुमान विभिन्न सर्वेक्षण अवधियों के आंकड़ों और बाद के वर्षों के अनुमानों पर आधारित है, इसलिए इसे प्रत्यक्ष रूप से प्रत्येक वर्ष मापी गई गरीबी का आंकड़ा नहीं समझना चाहिए। यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि गरीबी, बेरोजगारी, कुपोषण और आर्थिक असमानता की समस्याएं समाप्त हो गई हैं। जनतंत्र को उपलब्धियों के साथ शेष चुनौतियों का भी ईमानदार आकलन करना चाहिए।

सबसे पहले, रोजगार को सरकारी नीतियों का केंद्रीय लक्ष्य बनाना होगा। युवाओं को केवल डिग्री देना पर्याप्त नहीं है; उन्हें ऐसे कौशल चाहिए, जिनकी वास्तविक अर्थव्यवस्था में मांग हो। विनिर्माण, कृषि प्रसंस्करण, पर्यटन, स्वास्थ्य सेवाओं, निर्माण, अनुसंधान, डिजिटल कारोबार और हरित ऊर्जा में रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। छोटे उद्यमों को सस्ता ऋण, सरल पंजीकरण, समय पर भुगतान और बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराना आवश्यक है। सरकारी रोजगार योजनाओं का मूल्यांकन केवल प्रशिक्षित युवाओं की संख्या से नहीं, बल्कि प्रशिक्षण के बाद प्राप्त रोजगार, वेतन, रोजगार की स्थिरता और स्वरोजगार से होने वाली आय के आधार पर किया जाना चाहिए।

दूसरा आवश्यक कदम शिक्षा और स्वास्थ्य को वास्तविक जनसेवा बनाना है। सरकारी विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक, आधुनिक शिक्षण सामग्री, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं और नियमित शैक्षणिक मूल्यांकन सुनिश्चित किए जाने चाहिए। उच्च शिक्षा को केवल प्रतिष्ठित संस्थानों तक सीमित रखने के बजाय छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण बनाया जाए। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों, चिकित्सकों, जांच सुविधाओं और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बढ़ाई जाए। बीमारी के कारण परिवारों को कर्ज लेने अथवा संपत्ति बेचने की नौबत नहीं आनी चाहिए। शिक्षा और स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय को दीर्घकालीन सामाजिक निवेश समझना होगा, न कि केवल बजट का खर्च।

तीसरा, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किए बिना जनकल्याण का लक्ष्य अधूरा रहेगा। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सिंचाई, भंडारण, शीतगृह, कृषि अनुसंधान, प्रसंस्करण और बाजार संपर्क को बेहतर बनाना आवश्यक है।

मण्डी समितियों...

प्रदीप कुमार/ ओबैदुर रहमान

आधुनिक कृषि विपणन व्यवस्था को सशक्त बना रही मण्डी परिषद

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की आधारशिला है और किसानों की समृद्धि का मार्ग उनकी उपज के उचित मूल्य, पारदर्शी विपणन व्यवस्था तथा आधुनिक कृषि अवसंरचना से होकर गुजरता है। कृषि उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने, मण्डियों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने और किसानों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में उत्तर प्रदेश मण्डी परिषद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रदेश में मण्डी सुविधाओं के विस्तार, ई-नाम एवं ई-मण्डी जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं, कृषि उत्पादों के निर्यात और किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से कृषि विपणन व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है।

मण्डी परिषद की वित्तीय स्थिति में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अगस्त माह तक कुल 857.30 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अगस्त 2026 तक यह आय बढ़कर 875.31 करोड़ रुपये हो गई। इस प्रकार गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में मण्डी परिषद की आय में 2.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि प्रदेश में कृषि विपणन से जुड़ी गतिविधियों और मण्डी व्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयासों को रेखांकित करती है। कृषि उत्पादों के विपणन में पारदर्शिता बढ़ाने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) के अंतर्गत प्रदेश की 162 मण्डियों में डिजिटल व्यापार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत 01 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2026 तक 1,575 करोड़ रुपये से अधिक का डिजिटल व्यापार किया गया। ई-नाम के माध्यम से कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री को डिजिटल मंच से जोड़ने का उद्देश्य किसानों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना, व्यापारिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना तथा उपज के मूल्य निर्धारण में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है। इससे कृषि विपणन व्यवस्था को आधुनिक बनाने और किसानों को बाजार आधारित अवसरों से जोड़ने में मदद मिल रही है।

मण्डी समितियों के आंतरिक कार्यों को ऑनलाइन करने के उद्देश्य से संचालित ई-मण्डी योजना ने लाइसेंस निर्गमन और अन्य प्रक्रियाओं को डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है। 01 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2026 तक लगभग 11,894 ई-मण्डी लाइसेंस निर्गत किए गए। इसी अवधि में ई-मण्डियों के माध्यम से लगभग एक करोड़ 58 लाख से अधिक ऑनलाइन पर्चियां भी जारी की गईं। ऑनलाइन व्यवस्था से मण्डियों के कार्यों को अधिक व्यवस्थित बनाने, अभिलेखों के डिजिटलीकरण और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने में सहायता मिल रही है। डिजिटल सेवाओं का विस्तार किसानों, व्यापारियों और आढ़तियों के लिए मण्डी संबंधी कार्यों को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और कृषि विपणन से जुड़े लाभार्थियों को सहयोग प्रदान करने के लिए मण्डी परिषद द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

आखिर क्यों धधक रहा है फ्रांस और अन्य यूरोपीय देश?

यूरोप में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों, दंगों, आगजनी और पुलिस के साथ टकराव को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं समझा जा सकता। चूंकि इसके पीछे आर्थिक असंतोष, सामाजिक विभाजन, आव्रजन और एकीकरण की बहस, राजनीतिक ध्रुवीकरण, युवाओं में भविष्य को लेकर चिंता तथा पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास का संकट जैसे कई कारक हो सकते हैं। लेकिन एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है, वह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और लोगों पर हमले अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश के देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती। इससे आत्ताइयों के हौसले बुलंद हैं और लोकतांत्रिक सोच अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है।भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहाँ कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं।

सवाल है कि अक्टूबर 2026 में फ्रांस में वास्तव में क्या हो रहा है? तो जवाब होगा कि फ्रांस में सितंबर के अंत से शुरू हुआ छात्र आंदोलन अक्टूबर में व्यापक अशांति में बदल गया। प्रारंभिक असंतोष स्कूलों की खराब सुविधाओं, शिक्षकों की कमी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को लेकर था। बाद में महँगाई, जीवन-यापन की बढ़ती लागत और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति जैसे मुद्दे भी आंदोलन से जुड़ गए। आखिर पेरिस सहित कई शहरों में लूटपाट, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव हुए।

कमलेश पांडेय

जरा हटके

विकास खंड बलरामपुर...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण और समावेशी विकास के प्रभावी क्रियान्वयन से आत्मनिर्भरता को मिल रही दिशा

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अंत्योदय और समावेशी विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद बलरामपुर में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और सुलभ जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त समन्वय से विकास खंड बलरामपुर परिसर में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह पहल आकांक्षी जनपद में दिव्यांगजनों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें स्वावलंबन और सम्मानजनक आजीविका की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी प्रशासनिक प्रयास है।

शासन की सुस्पष्ट नीति के अनुसार दिव्यांगजन समाज के अत्यंत संवेदनशील और सामर्थ्यवान अंग हैं। सरकार का ध्येय केवल तात्कालिक राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक सहायक उपकरणों एवं तकनीकों से युक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। जब किसी दिव्यांगजन को गतिशीलता और आवश्यक तकनीक का संबल मिलता है, तो वह अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने में सक्षम होता है।

विकास खंड बलरामपुर परिसर में आयोजित विशेष शिविर में पूर्व में कराए गए तकनीकी परीक्षणों के आधार पर पारदर्शी प्रक्रिया से चिह्नित कुल 108 पात्र लाभार्थियों को आवश्यकतानुसार आधुनिक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। शारीरिक दिव्यांगता से प्रभावित लाभार्थियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 25 आधुनिक ट्राई साइकिल और 12 व्हीलचेयर प्रदान की गईं, जिससे उनकी दैनिक गतिशीलता में उल्लेखनीय सुधार होगा और दैनिक क्रियाकलापों के लिए दूसरों पर निर्भरता समाप्त होगी। श्रवण दिव्यांगता से ग्रसित 36 लाभार्थियों को उच्च गुणवत्ता की डिजिटल हियरिंग एड उपलब्ध कराई गई, जिससे वे सामाजिक संवाद और सामान्य दिनचर्या में सुगमता से भाग ले सकें। दृष्टिबाधित लाभार्थियों को सुरक्षित और स्वतंत्र आवागमन के लिए 17 आधुनिक स्मार्ट केन तथा शैक्षणिक संवर्धन हेतु 08 ब्रेल किट प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, बौद्धिक दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों के मानसिक संवर्धन और दैनिक क्रियाकलापों को सहज बनाने के लिए 10 विशेष मानसिक मंदता (एमआर) किट उनके अभिभावकों को सौंपी गईं।

आकांक्षी एवं सीमावर्ती जनपद होने के दृष्टिगत बलरामपुर में सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी समस्त कल्याणकारी योजनाओं के शत-प्रतिशत संतृप्तीकरण पर जिला प्रशासन द्वारा विशेष बल दिया जा रहा है। ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में निवासरत पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं से आच्छादित करने के लिए विकास खंड स्तर पर नियमित चिह्नांकन और स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासनिक स्तर पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सूचना के अभाव, भौगोलिक दूरी अथवा प्रक्रियात्मक जटिलता के कारण शासकीय लाभ से वंचित न रहे।

सहायक उपकरण वितरण के साथ-साथ जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों को राज्य एवं केंद्र सरकार की दीर्घकालिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का समन्वित कार्य किया जा रहा है। पात्र व्यक्तियों को विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) से संतृप्त किया जा रहा है, ताकि वे देश भर में मान्यता प्राप्त एक समान पहचान के आधार पर समस्त शासकीय सेवाओं का निर्बाध लाभ प्राप्त कर सकें। जनपद में दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान (पेंशन योजना), शल्य चिकित्सा अनुदान तथा दुर्घटना बीमा योजनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष तंत्र सक्रियता से कार्य कर रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों में वितरित किए जाने वाले सभी उपकरणों की गुणवत्ता, स्थायित्व और मानकीकरण पर विशेष प्रशासनिक निगरानी रखी जा रही है। वितरण के उपरांत लाभार्थियों को उपकरणों के समुचित रख-रखाव, उपयोग के सही तौर-तरीकों तथा किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान हेतु मौके पर ही व्यावहारिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया, जिससे प्रदत्त संसाधनों की अधिकतम उपयोगिता और दीर्घकालिक प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। दैनिक जीवन में गतिशीलता और स्वावलंबन प्राप्त होने से दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास में प्रत्यक्ष वृद्धि होती है। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए ये उपकरण प्राथमिक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने, व्यावसायिक कौशल सीखने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करते हैं, जिससे उनके परिवारों पर देखभाल की जटिलताएं भी कम होती हैं। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अंत्योदय और समावेशी विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद बलरामपुर में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और सुलभ जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त समन्वय से विकास खंड बलरामपुर परिसर में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जनपद में दिव्यांगजनों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें स्वावलंबन और सम्मानजनक आजीविका की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में यह एक प्रभावी प्रशासनिक प्रयास है।

शासन की सुस्पष्ट नीति के अनुसार दिव्यांगजन समाज के अत्यंत संवेदनशील और सामर्थ्यवान अंग हैं। सरकार का ध्येय केवल तात्कालिक राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक सहायक उपकरणों एवं तकनीकों से युक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। जब किसी दिव्यांगजन को गतिशीलता और आवश्यक तकनीक का संबल मिलता है, तो वह अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने में सक्षम होता है।

वृंदावन में भक्तों को जयकारे लगाते देख कार से उतरे, पैदल आश्रम तक गए

प्रेमानंदजी ने 5 महीने बाद पदयात्रा की

यात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। प्रेमानंद महाराज ने 5 महीने के बाद वृंदावन में पदयात्रा की। शुक्रवार सुबह जब वे अपने नए आश्रम से 'केली कुंज' आश्रम जा रहे थे, तो रास्ते में वाराह घाट तिराहे पर उन्हें देखकर भक्त भावुक हो गए। यहां से संत प्रेमानंद अपनी गाड़ी से उतरे और पैदल चलकर ही आश्रम की ओर जाने लगे। इस दौरान रास्ते में दोनों तरफ मौजूद भक्त लगातार 'राधे-राधे' और 'श्री हरिवंश' के जयकारे लगा रहे थे। केली कुंज आश्रम पहुंचकर उन्होंने पहले राधा रानी की आराधना की, फिर अपने गुरु हित गोविंद शरण महाराज के दर्शन किए। करीब

आधे घंटे रुकने के बाद वह यमुना बिहार कुंज आश्रम लौट गए। 25 सितंबर को शिष्य रसिक दुलारी ने केली कुंज ट्रस्ट की इमारत की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। इसके बाद 8 अक्टूबर को प्रेमानंद महाराज पहली बार केली कुंज आश्रम पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने पदयात्रा नहीं

प्रेमानंद महाराज के ट्रस्ट श्री हित राधा केली कुंज ने यमुना विहार कुंज नाम से नया आश्रम बनवाया है। 18 मई के बाद से संत प्रेमानंद महाराज यमुना बिहार कुंज आश्रम में ही रह रहे हैं। यह मांट तहसील में जहांगीरपुर गांव के पास यमुना किनारे बना है। बेलवन स्थित लक्ष्मीजी के मंदिर से करीब एक किलोमीटर दूर है।

की थी। 15 मिनट आश्रम में रुके थे। इससे पहले प्रेमानंद महाराज ने 27 मई को पदयात्रा की थी। उससे पहले नियमित रूप से श्रीराधा केली कुंज आश्रम से तड़के करीब 3 बजे निकलते थे और लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर सुनरख खादर स्थित सौभरी वन पहुंचते थे। हालांकि, इसके दस दिन बाद यानी 27 मई को उन्होंने पदयात्रा की थी। लेकिन इसके बाद से पदयात्रा बंद थी। आश्रम में 2 बड़े हॉल हैं, जहां महाराज जी सत्संग और राधारानी की सेवा करते हैं। यहां एक कंटेनर में डायलिसिस की मशीन लगाई गई है। डॉक्टर समय-समय पर प्रेमानंद महाराज की डायलिसिस करते हैं।

स्वास्थ्य कारणों से मई में बंद की गई थी पदयात्रा

दरअसल, 17 मई से स्वास्थ्य कारणों के चलते संत प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। शिष्यों ने तब बताया था कि प्रेमानंद महाराज की तबीयत ठीक नहीं है। वह भक्तों से एकांतिक मुलाकात भी नहीं कर रहे हैं। प्रेमानंद महाराज की दोनों किडनी खराब हैं। उनकी हफ्ते में 2-3 बार डायलिसिस होती है।

15 दिन पहले भी केली कुंज आश्रम गए थे महाराज

शिष्य रसिक दुलारी ने 25 सितंबर की सुबह केली कुंज ट्रस्ट की बिल्डिंग की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। उसके बाद पहली बार संत प्रेमानंद महाराज 8 अक्टूबर को केली कुंज आश्रम पहुंचे थे। उस दौरान भी उन्होंने पैदल चलकर भक्तों को दर्शन दिए थे।

संत प्रेमानंद महाराज ने भी वीडियो जारी कर भक्तों को भावुक अपील की थी। वीडियो में उन्होंने कहा था- बिल्कुल चिंता मत करो। हम मिलें न मिलें, बोलें न बोलें, हम आप सबको बहुत प्यार करते हैं। अंतिम बात यही कि चिंता नहीं करनी। न ये चिंता करनी है कि कैसे हमारा उत्थान होगा। बिना बोले तुम्हारे दिमाग में हम होंगे।

घरौनी से किसानों की डिजिटल पहचान तक

योगी सरकार ने बढ़ाया राजस्व सुधारों का दायरा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राजस्व विभाग की भूमिका अब केवल जमीन के रिकॉर्ड के रख-रखाव तक सीमित नहीं रह गई है। योगी सरकार में ग्रामीण परिवारों को आवासीय संपत्ति के दस्तावेज उपलब्ध कराने, किसानों की डिजिटल पहचान तैयार करने और सहायता राशि के भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। आंकड़ों के मुताबिक स्वामित्व योजना के तहत प्रदेश में 1.05 करोड़ से अधिक घरौनियों का निर्माण और वितरण किया जा चुका है। फार्मर रजिस्ट्री में भी 1.44 करोड़ से अधिक पंजीकरण पूरे किए जा चुके है। वर्ष 2017 से पहले घरौनी निर्माण और फार्मर रजिस्ट्री जैसी व्यवस्थाओं में उपलब्धि शून्य थी। इससे पहले

राजस्व सेवाओं का दायरा मुख्य रूप से पारंपरिक अभिलेखों और कार्यालय आधारित प्रक्रियाओं पर निर्भर था। योगी सरकार ने इन सेवाओं को विस्तार देते हुए ग्रामीण संपत्ति के रिकॉर्ड और किसान संबंधी जानकारी को व्यवस्थित करने की दिशा में काम किया। स्वामित्व योजना के तहत घरौनी निर्माण ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व सुधारों की प्रमुख पहल बनी। घरौनी के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्र की आवासीय संपत्ति की पहचान और उसका रिकॉर्ड तैयार किया गया।

फास्ट न्यूज

पिता का फर्जी डेथ सर्टिफिकेट दिखाकर ली सरकारी नौकरी

उन्नाव। उन्नाव में पिता का फर्जी डेथ सर्टिफिकेट दिखाकर उनकी सरकारी नौकरी लेने वाले बेटे को सस्पेंड कर दिया गया है। बेटे ने साल 2002 में पिता की मृत्यु के प्रमाण पत्र दिखाकर आश्रित कोटे से नौकरी ली थी। बेटा पिता की जगह नौकरी कर रहा था, पिता की पेंशन भी आती थी। लेकिन साल 2015 में बेटे ने पिता के नाम पर ही जमीन खरीदी।

75 साल के बुजुर्ग से सगाई करने वाली रीलबाज पलटी

औरैया। औरैया में 75 साल के बुजुर्ग से सगाई करने वाली 30 साल की रीना का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह कह रही हैं- मेरे पति घर वापस लौट आए हैं। उन्होंने मेरी सगाई वाली वीडियो देखी थी। अब मेरे घर में लड़ाई चल रही है।

घरवालों ने भी कहा है कि उस बूढ़े से शादी नहीं करोगी। राधा दीदी कह रही हैं कि मैं उनके पापा से शादी करूं, लेकिन मैं उस बूढ़े आदमी से शादी नहीं करूंगी। मेरे पति आ गए हैं, मेरा तलाक नहीं हुआ था। अब मैं इनके साथ दोबारा शादी करूंगी।

थार पैर पर चढ़ने से दंपती समेत तीन घायल

लखनऊ। लखनऊ में थार सवारों पर नशे की हालत में अभद्रता और मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़ित का आरोप है कि थार में सवार अधिवक्ता और उनके साथ मौजूद लोगों ने गर्भवती महिला के साथ अभद्रता की। विरोध करने पर महिला के पति के साथ मारपीट की गई। इसी दौरान थार अनियंत्रित होकर युवक के पैर पर चढ़ गई।

भरतिया में हिंसक झड़प, पथराव और फायरिंग के मामले में सात गिरफ्तार

तीन वाहन, खोखा कारतूस और लाठी-डंडे बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव (मथुरा)। थाना बलदेव क्षेत्र के गांव भरतिया में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, पथराव और फायरिंग के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों तथा घटनास्थल से तीन वाहन, तीन खोखा कारतूस, ईंट-पत्थर और लाठी-डंडे बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 22 अक्टूबर को गांव भरतिया में दो पक्षों के बीच विवाद के बाद गाली-गलौज, लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से मारपीट, पथराव तथा फायरिंग हुई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में भी दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर पथराव और फायरिंग करते रहे। अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचने पर दोनों पक्षों के लोग धमकी देते हुए मौके से भाग गए। घटना में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया था। मामले में थाना बलदेव पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने 23 अक्टूबर को सुबह 10:45 बजे गांव भरतिया से सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से सफेद रंग की बोलेरो, काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल और ग्रे रंग की ईको कार बरामद की है। इसके अलावा तीन खोखा कारतूस, ईंट-पत्थर, लाठी-डंडे और चप्पलें भी बरामद की गई हैं।

लड़की बोली- प्रेमी के बिना नहीं जी सकती, मुंबई से बॉयफ्रेंड ने फोन पर कहा- कबूल है

यूपी में मोबाइल टावर पर हुई शादी

- टावर पर बैठी महक ने निकाह किए बिना के नीचे आने से मना कर दिया।
- फोन पर जब बॉयफ्रेंड के साथ निकाह करा दिया गया तो लड़की नीचे आई।

तमसा संकेत, एजेंसी

बहराइच। बहराइच में शुक्रवार सुबह बॉयफ्रेंड से शादी करने के लिए लड़की मोबाइल टावर पर चढ़ गई। परिवार और गांववालों ने समझाने की कोशिश की, लेकिन लड़की नीचे नहीं उतरी। बेटी की जिद के आगे घर वालों ने हार मान ली। मस्जिद से काजी को बुलाकर लड़के-लड़की का ऑनलाइन निकाह कराया गया। लड़का मुंबई में नौकरी करता है। काजी ने उसे फोन करके निकाह कुबूल करवाया। इसके बाद टावर पर चढ़ी लड़की को फोन करके उसे निकाह कुबूल करवाया गया। लड़की को जब भरोसा हो गया कि उसका निकाह हो गया, तब वह नीचे उतरी। 3 घंटे से ज्यादा ड्रामा चलता रहा। मामला जिला मुख्यालय से 60 किमी दूर मोतीपुर इलाके का है। गांव के लोगों और पुलिस के समझाने पर दोनों के निकाह कराने का फैसला

थाना प्रभारी ब्रह्मानंद गौड़ ने बताया- प्रेम-प्रसंग का मामला है। प्रेमी से शादी करने की जिद पर लड़की टावर पर चढ़ी थी। निकाह होने के बाद उसे नीचे उतार लिया गया है। फिलहाल लड़की को उसके घर वालों के साथ भेज दिया गया है। अगर कोई शिकायत मिलेगी तो कार्रवाई की जाएगी।

लिया गया। गांव की मस्जिद से काजी को बुलाया गया। 3 घंटे के ड्रामे के बाद काजी ने टावर पर चढ़ी किशोरी को कॉल की और निकाह के बारे में समझाया।

5 महीने से चल रहा था अफेयर

बसथनवा गांव के अलग-अलग मोहल्ले में फखरुद्दीन उर्फ नूरुद्दीन (21) और साहिबा बेगम उर्फ महक (19) रहते हैं। दोनों के घरों के बीच की दूरी 1 किमी है। 5 महीने से दोनों का अफेयर चल रहा था, लेकिन घर वाले शादी के लिए तैयार नहीं थे। दो महीने पहले नूरुद्दीन नौकरी के लिए मुंबई चला गया था। नूरुद्दीन के परिवार में पिता फारुख, मां और दो भाई हैं। परिवार खेती-किसानी और मजदूरी करता है। वहीं, महक के पिता रईस अहमद की मौत हो चुकी है। उसकी मां हसम-तुन्निशा ही मजदूरी से बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं। उन्होंने बेटी को शादी के लिए मना कर दिया था। लेकिन मां की डांट के बाद भी महक नूरुद्दीन से बात करती रही।

मां से बहस के बाद टावर पर चढ़ गई

शुक्रवार सुबह भी महक की अपनी मां से शादी को लेकर बहस हुई। इसके बाद वह घर से निकली और गांव के बाहर बने मोबाइल टावर पर चढ़ गई। गांव के लोगों ने देखा तो नीचे उतरने के लिए कहा। महक ने धमकी दी कि कोई पास आया तो कूदकर जान दे दूंगी। मुझे नूरुद्दीन से शादी करनी है। गांव वालों ने दोनों के परिजनों और पुलिस को सूचना दी। लड़की की मां इसके बाद भी शादी के लिए राजी नहीं थी। गांव वाले लड़की और उसकी मां दोनों को समझाने की कोशिश करते रहे। महिला पुलिसकर्मियों के साथ पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। महक को भरोसा दिया गया कि नीचे आ जाओ लड़के को बुलाकर शादी करा दी जाएगी, लेकिन वह उतरने को तैयार नहीं हुई।

बिजनौर में नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, कोर्ट में पेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बिजनौर थाना पुलिस ने 15 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म करने और विरोध पर उसका गला पकड़ने के आरोप में संगीत (25) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के मुताबिक, 20 अक्टूबर को पीड़िता के भाई ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि संगीत ने उसकी 15 वर्षीय बहन के साथ गलत काम किया और विरोध करने पर उसका गला पकड़ लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 289/2026 में बीएनएस की धारा 115(2), 65(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4(2) के तहत मामला दर्ज किया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में दो पुलिस टीमें गठित की गई थीं। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मैनुअल सूचना और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से शुक्रवार, 23 अक्टूबर को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान संगीत पुत्र स्व. सुंदर लाल, निवासी हसीनपुरवा, थाना बिजनौर, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ वर्ष 2022 में उन्नाव के हसनगंज थाने में भी भारतीय दंड संहिता की धारा 304 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपर्णा कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई। अभियान में पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक, अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली वसंथ कुमार और एसीपी कृष्णानगर लक्ष्मण वर्मा के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक बिजनौर कपिल गौतम के नेतृत्व वाली पुलिस टीम शामिल रही।

महिला एफपीओ के कामकाज को समझने मिर्जापुर पहुंचे केंद्र सरकार के अधिकारी

योगी सरकार की पहल को मिल रही मजबूती

- विंध्य मार्ट में महिला उद्यमियों से समझी बारीकियां, कृषि उत्पादों के विपणन से लेकर जैव उर्वरक उत्पादन तक में 1,221 महिला शेयरधारक निभा रहीं भूमिका
- योगी सरकार में ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता से जोड़ने की सफल कोशिश, हर सदस्य को लखपति दीदी बनाने की रणनीति पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने, महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और स्वयं सहायता समूहों को उद्यमिता से जोड़ने के प्रयासों के बीच मिर्जापुर की छनवर एग्रो किसान उत्पादक संगठन महिला सशक्तीकरण की एक मिसाल बनकर उभर रही है। छानबे विकासखंड में महिला किसानों के नेतृत्व में संचालित इस कंपनी से अब तक 1,221 महिला शेयरधारक जुड़ चुकी हैं। कंपनी कृषि उत्पादों के विपणन से लेकर अन्य व्यवसायों के माध्यम से महिलाओं की आय बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

विविध व्यवसायों से आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं महिलाएं

ये महिलाएं उपज एकत्रीकरण, विपणन, कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि अवशेष प्रबंधन और जैव उर्वरक उत्पादन जैसी गतिविधियां संचालित कर रही हैं। कृषि उत्पादक संगठन ने वर्तमान में लगभग 10.5 लाख रुपये का व्यावसायिक मार्जिन अर्जित किया है, जो वार्षिक संचालन व्यय से अधिक है। महिला निदेशकों ने सदस्य से प्रोड्यूसर ग्रुप, किसान उत्पादक संगठन और राज्य स्तरीय महासंघ तक के संस्थागत ढांचे की जानकारी भी दी।

उन्होंने विकेंद्रीकृत योजना निर्माण, प्रत्येक सदस्य को 'लखपति दीदी' बनाने की रणनीति और कृषि उत्पादों की मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के प्रयासों के बारे में भी बताया।

ग्रामीण महिलाओं को केवल आजीविका गतिविधियों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें व्यवसाय के संचालन, बाजार से जुड़ाव और सामूहिक आर्थिक निर्णयों में भागीदार बनाने का यह प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

विंध्य मार्ट से स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और महिला उद्यमिता को बढ़ावा

अतिरिक्त सचिव सौरभ कुमार तिवारी ने जिलाधिकारी पवन कुमार के साथ मां विंध्यवासिनी परिसर में स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित विंध्य मार्ट को भी देखा। यहां उन्होंने स्थानीय महिला उद्यमियों से बातचीत की। उन्होंने स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और जलवायु अनुकूल ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की संभावनाओं पर जानकारी ली।

हादसा : शरीर से निकलता रहा धुंआ, बड़े भाई को बचाने दौड़ा छोटा भाई भी झुलसा

11 हजार वोल्ट की लाइन से चिपका युवक, जिंदा जला

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में करंट लगने के बाद एक युवक जिंदा जल गया। बचाने गए उसके छोटे भाई को भी करंट का जोरदार झटका लगा। इससे उसका हाथ जल गया। परिजनों ने किसी तरह आग बुझाई और आनन फानन में उनको मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने बड़े भाई दीपक परिहार (25) को मृत घोषित कर दिया। छोटे भाई आकाश परिहार (21) का इलाज चल रहा है। दोनों खेत में बिजली तार डाल रहे थे। इस दौरान तार 11केवी की हाइटेंशन लाइन में टच हो गया। दीपक की मौत के बाद

मां समेत अन्य परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। घटना शुक्रवार दोपहर की है। हादसा जिला मुख्यालय से लगभग 17 किलोमीटर दूर रक्सा थाना क्षेत्र के राजापुर गांव में हुआ है। रक्सा के राजापुर गांव में रहने वाले मुरारी परिहार गांव के चौकीदार हैं।

आग देखकर दौड़े आसपास के लोग

धमाके की आवाज और आग लगने के बाद आसपास के खेतों में काम करने वाले किसान मौके पर पहुंच गए। दीपक के कपड़े जल रहे थे, जबकि आकाश पास में पड़ा था। किसी की पास जाने की हिम्मत नहीं हो रही थी। लोगों ने किसी तरह तार को दूर किया और दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। मेडिकल कॉलेज के ईएमओ ने डॉ. रविशंकर ने बताया- करंट लगने से झुलसे दो भाइयों को परिजन लेकर आए थे।

दोनों बेटे खेती किसानी में अपने पिता का हाथ बटाते थे। हादसे में घायल आकाश ने बताया- खेत में मूंगफली की फसल लगी थी। शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे मैं बड़े भाई दीपक के साथ खेत में तार डाल रहा था। तभी तार को ऊपर फेंका तो 11हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया।

हादसे में घायल छोटे भाई आकाश ने बताया- मैं प्लास लेकर बचाने गया था, फिर मुझे भी करंट लग गया।

हम-तुम पार्क के पास अवैध कूड़ा डंपिंग से लोग परेशान

दुर्गंध और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से जनस्वास्थ्य पर खतरा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। साउथ सिटी स्थित हम-तुम पार्क के निकट रेलवे भूमि पर कथित रूप से अवैध कूड़ा डंप किए जाने से स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कूड़ा जमा होने और उसके सड़ने से आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। वहीं, मच्छरों और मक्खियों के बढ़ते प्रकोप से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। इस समस्या को लेकर हम-तुम रेजिडेंट्स सोसायटी ने नगर निगम के जोन-8 के जोनल अधिकारी को पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। सोसायटी के अनुसार, हम-तुम पार्क के पास प्रतिदिन कूड़ा जमा होने से क्षेत्र का वातावरण दूषित हो रहा है। सुबह के समय पार्क में राष्ट्रगान, योग और

अन्य गतिविधियों के लिए आने वाले वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को विशेष रूप से असुविधा होती है। गंदगी के कारण पार्क के आसपास स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। सोसायटी ने पत्र में उल्लेख किया है कि संबंधित स्थान रेलवे की भूमि पर है और उसकी जानकारी में यह कूड़ा डालने के लिए निर्धारित स्थल नहीं है। ऐसे में वहां अनधिकृत रूप से कूड़ा डाले जाने पर रोक लगाने की आवश्यकता है। सोसायटी के अध्यक्ष के. के. अग्रवाल ने नगर निगम से मांग की है कि मौके से कूड़ा तत्काल हटवाकर पूरे क्षेत्र की समुचित सफाई कराई जाए। साथ ही कीटाणुनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जाए, कूड़ा डालने पर रोक संबंधी चेतावनी बोर्ड लगाया जाए और नियमित निगरानी की व्यवस्था की जाए। संबंधित सफाई कर्मचारियों एवं अधिकारियों को निर्देशित करने की भी मांग की गई है, ताकि भविष्य में वहां कूड़ा जमा न हो। सोसायटी ने उम्मीद जताई है कि नगर निगम जनस्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी इस समस्या पर शीघ्र संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करेगा, जिससे स्थानीय निवासियों को गंदगी और दुर्गंध से राहत मिल सके।

खाटू श्याम मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे, टायर फटने के बाद तेज रफ्तार कार खाई में पलटी

आगरा के 4 दोस्तों की जयपुर में मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा/ जयपुर। आगरा के 4 दोस्तों की जयपुर में सड़क हादसे में मौत हो गई। 2 दोस्त घायल हैं। यह सभी खाटू-श्याम का दर्शन करके लौट रहे थे। शुक्रवार सुबह 6 बजे तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार (UP 83AU6399) का टायर फट गया। हादसे से कार सड़क किनारे 30 फीट नीचे खाई में पलट गई। हादसा रायसर में नेशनल हाईवे-148 (दौसा-मनोहरपुर) के पास हुआ।

पुलिस के अनुसार, एक्सीडेंट में आगरा के रामबाग के रहने वाले अतुल वार्ष्णेय (35), कालिंदी विहार के मुकुल जायसवाल (21), रूपेश जाटव (25) और शिवा सिंह (20) की मौत हुई है।

ओवरस्पीडिंग के कारण राजस्थान में बढ़ रहे एक्सीडेंट

ट्रांसपोर्ट और पुलिस डिपार्टमेंट के अलग-अलग डेटा के अनुसार राजस्थान देशभर में सड़क हादसों में छठे स्थान पर बना हुआ है। राज्य में वर्ष 2025 में हुए कुल 23,820 हादसों में से 15,647 दुर्घटनाएं तेज गति के कारण हुईं। इनमें करीब 7,600 लोगों की जान गई। वर्ष 2025 में हादसे कम हुए, लेकिन मौतें ज्यादा हुई हैं। प्रदेश में 2024 के मुकाबले 2025 में 1,018 दुर्घटनाएं कम हुईं, लेकिन इसके बावजूद 307 अधिक लोगों की मौत हो गई। कुल दुर्घटनाओं में से करीब 63 फीसदी हादसे ओवर-स्पीडिंग के कारण हो रहे हैं। अतुल के भाई रोहित ने बताया- भैया WH स्टूडियो के नाम से यूट्यूब चैनल चलाते थे। चैनल पर 164k

एकादशी पर दोस्त और स्टाफ के साथ लाइव करने गए थे खाटू श्याम

अतुल के छोटे भाई रोहित वार्ष्णेय ने बताया- सुबह 7 बजे पुलिस से हादसे के बारे में सूचना मिली। अतुल भैया 21 अक्टूबर को आगरा से दोस्तों और स्टॉफ के साथ खाटू श्याम गए थे। वहां पर उन्हें 22 अक्टूबर यानी एकादशी पर भजन-कीर्तन को यूट्यूब पर लाइव करना था। लाइव कवरेज के बाद वहां से निकले थे। कार (UP 83AU6399) भैया अतुल के नाम पर ही थी। कार उनका दोस्त राहुल शर्मा चला रहा था।

> अतुल की 2016 में सिम्मी वार्ष्णेय से शादी हुई थी। दोनों के 3 बेटियां हैं। रुद्रांशी (9), ख्याति (5) और तृषा (3 महीने)। अतुल के पिता वीरेंद्र घर के नीचे परचून की दुकान चलाते हैं। जबकि परिवार पहली मंजिल पर रहता है।

जानकारी के अनुसार कार सवार सभी युवक फोटोग्राफर थे।

पुलिस के अनुसार कार चकनाचूर हो गई है। अंदर से घायलों को निकालने में काफी परेशानी हुई।

करीब एक घंटे तक जाम जैसे हालात

हादसे के बाद मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे लंबा जाम लग गया। करीब एक घंटे तक ट्रैफिक स्लो रहा। घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाने के बाद पुलिस ने ट्रैफिक क्लियर करवाया।

आईपेक और बीईएल के बीच हुआ एमओयू

रक्षा तकनीक और शोध को मिलेगा बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता

गाजियाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपेक) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की सेंट्रल रिसर्च लेबोरेटरी (सीआरएल), गाजियाबाद के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। आई-दिशा पहल के तहत हुए इस समझौते से शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग बढ़ेगा। साथ ही विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, शोध और कौशल विकास के नए अवसर मिलेंगे। समझौते का मुख्य उद्देश्य तकनीकी शोध को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना है। इसके तहत दोनों संस्थान उभरती तकनीकों, इंजीनियरिंग और संयुक्त शोध एवं विकास परियोजनाओं पर मिलकर काम करेंगे। रक्षा क्षेत्र के साथ नागरिक इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी नई तकनीकों के विकास पर जोर दिया जाएगा। इस साझेदारी से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ तकनीकी क्षेत्र में व्यावहारिक जानकारी हासिल करने का अवसर मिलेगा। उद्योग और शिक्षण संस्थान के बीच बेहतर तालमेल से विद्यार्थियों को नई तकनीकों को समझने और अपने कौशल को निखारने में मदद मिलेगी।

फास्ट न्यूज

अवैध सिम बॉक्स नेटवर्क का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार

आगरा। साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आगरा पुलिस ने अवैध सिम बॉक्स नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। साइबर क्राइम पुलिस, एसओजी, सर्विलांस और दूरसंचार विभाग की संयुक्त टीम ने बीवी एंटरप्राइजेज के परिसर में छापा मारकर दो आरोपियों आमिर सैफी और मनीष को गिरफ्तार किया। मौके से 8 सिम बॉक्स, 221 सिम कार्ड, 96 रेडियो एंटीना, 5 लैपटॉप, एक डेल सर्वर और अन्य नेटवर्किंग उपकरण बरामद किए गए हैं।

विवाहिता का शव फंदे पर मिला

मथुरा। मथुरा के थाना जैंत क्षेत्र के चौमुहां कस्बे के थोक मनी में एक विवाहिता का शव कमरे में फंदे पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका के मायके पक्ष ने पति और ससुरालियों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर पति समेत छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान शीतल के रूप में हुई है। उसके भाई मानसिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि शीतल की शादी जयगोपाल के साथ हुई थी।

इंस्पेक्टर और चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

अलीगढ़। अलीगढ़ में छर्रा कोतवाली के इंस्पेक्टर सुशील कुमार योगी और कस्बा चौकी इंचार्ज जितेंद्र कुमार को एसएसपी नीरज जादौन ने लाइन हाजिर कर दिया है। इंस्पेक्टर पर दुष्कर्म की शिकायत के बावजूद एफआई-आर दर्ज नहीं करने का आरोप है। वहीं, चौकी इंचार्ज पर भाजपा विधायक रवींद्र पाल सिंह के फार्महाउस के चौकीदार को हिरासत में लेने और विधायक से विवाद होने का मामला सामने आया है।

स्वर्णकार समाज ने धूमधाम के साथ मनाई महाराजा अंबरीश जयंती

एकजुटता के बिना समाज का विकास संभव नहीं - सुजीत

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव (मथुरा)। स्वर्णकार समाज संगठन बलदेव के तत्वाधान में स्वर्णकार कुल शिरोमणि महाराजा अंबरीश जी जयंती महोत्सव बलदेव स्थित कृष्णा पेइंग गेस्ट हाउस में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित स्वर्णकार समाज के बंधुओं ने महाराजा अंबरीश के चित्र पर फूल माला पहनाकर, आरती उतारी ।

इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य आचार्य मनीष गर्गाचार्य के द्वारा हवन पूजा कराई गई। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में आचार्य मनीष गर्गाचार्य ने विचार व्यक्त करते हुए महाराजा अंबरीष जी की कथा को सुनाया । इस अवसर पर अखिल भारतीय स्वर्णकार जनजागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने महाराजा अंबरीश की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज

को मजबूत बनाने के लिए समाज का हर एक अंग मज़बूत होना चाहिए।एकजुटता के बिना समाज का विकास संभव नहीं है।हमें अपने समाज पर गर्व करना चाहिए। हमें अपनी शक्ति को पहचानना चाहिए। वर्तमान में स्वर्णकार समाज के बच्चे चिकित्सक, इंजीनियर, बैंकिंग के साथ-साथ शासन प्रशासन स्तर पर समाज को गौरवांवित कर रहे हैं। हमें एक दूसरे को पैर पकड़ कर पीछे नहीं बल्कि हाथ पकड़ कर आगे खींचने की पहल करनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षक दिलीप सोनी अवेरनी वालों ने व संचालन हरिओम वर्मा दादा ने किया।

जमीन पर गिरे, पुलिस से भी हुई धक्का-मुक्की, सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन

भाकियू नेताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को दिया धक्का

तमसा संकेत, एजेंसी

> किसानों ने एत्मादपुर मदरा में भूमि अधिग्रहण से जुड़ी शिकायतों का समाधान करने की मांग भी उठाई। उनका आरोप था कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में किसानों के हितों की अनदेखी की जा रही है। किसानों ने कहा कि कई वर्षों से सर्किल रेट में बढ़ोतरी नहीं हुई है, इसके बावजूद जमीन का अधिग्रहण पुरानी दरों पर किया जा रहा है।

आगरा। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के विरोध में प्रदर्शन कर रहे भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) और संयुक्त किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से धक्कामुक्की हो गई। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट अमित कुमार जमीन पर गिर गए, जबकि भाकियू के जिलाध्यक्ष राजवीर लवानिया के हाथ में चोट लग गई। काफी देर तक चले घटनाक्रम के बाद किसानों ने सुभाष पार्क के सामने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। किसान एसआई-आर प्रक्रिया रद्द करने, मतदाता सूची से हटाए गए पात्र नागरिकों का

मतदान अधिकार बहाल करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) और संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी एसआईआर के विरोध समेत विभिन्न मांगों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन देने जा रहे थे। एमएलसी चुनाव के मतदान को देखते हुए पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों को थाना नाई की मंडी में बैठा लिया था। किसानों को सुबह 11:30 बजे जिलाधिकारी के आने का समय दिया गया था।

बिजली बिलों में गड़बड़ी और कनेक्शन काटने का मुद्दा उठाया

प्रदर्शनकारी किसानों ने एसआईआर के अलावा बिजली और किसानों की अन्य समस्याओं को भी प्रशासन के सामने रखा। किसानों ने टोरेंट पावर क्षेत्र के 405 किसानों के बिजली बिलों में कथित गड़बड़ी दूर करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिजली बिलों की विसंगतियों का समाधान किया जाए, ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। किसानों ने खेती के समय बिजली कनेक्शन नहीं काटने की मांग भी की। उनका कहना था कि कृषि कार्य के दौरान बिजली की जरूरत होती है और ऐसे समय में कनेक्शन काटे जाने से खेती प्रभावित हो सकती है।

कई किसान नेता और कार्यकर्ता रहे मौजूद

प्रदर्शन में मंडल अध्यक्ष रणवीर सिंह चाहर, प्रदेश सचिव ओम प्रकाश सिंह, द्वारिका प्रसाद यादव, अजय राज शास्त्री, वेद प्रकाश पचौरी, श्यामवीर सिंह चाहर और नत्थू सिंह धाकरे समेत कई किसान नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। किसानों ने ज्ञापन के माध्यम से अपनी मांगों पर कार्रवाई करने और समस्याओं का समाधान कराने की अपील की।

नजरबंदी की आशंका में रात में ही कलेक्ट्रेट पहुंचे थे जिलाध्यक्ष

भाकियू जिलाध्यक्ष राजवीर लवानिया ने बताया कि नजरबंदी की आशंका के चलते वह रात में ही कलेक्ट्रेट पहुंच गए थे। इसकी जानकारी मिलने के बाद वहां पुलिस बल तैनात किया गया किसान नेताओं ने एसआईआर, बिजली बिलों और भूमि अधिग्रहण समेत विभिन्न मुद्दों पर अपनी मांगें प्रशासन के सामने रखीं।

विधान परिषद चुनाव में शिक्षक वर्ग में 53.72%

स्नातक में 42.40 प्रतिशत मतदान

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खंड शिक्षक एवं खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक चुनाव के तहत शुक्रवार को जनपद में मतदान संपन्न हो गया। जिले में खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 53.72 प्रतिशत और खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 42.40 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जनपद में खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 15 मतदान केंद्रों पर 19 मतदेय स्थल तथा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 15 मतदान केंद्रों पर 19 मतदेय स्थल बनाए गए थे। खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कुल 10,669 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें 7,175 पुरुष और 3,494 महिलाएं शामिल थीं।

वहीं, खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 6,694 मतदाता थे, जिनमें 4,315 पुरुष और 2,379 महिला मतदाता शामिल रहे। मतदान को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सात जोनल मजिस्ट्रेट, 17 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 41 माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात किए गए थे। इनमें रिजर्व कर्मी भी शामिल थे। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने मथुरा के क्षेत्र पंचायत कार्यालय, राजकीय इंटर कॉलेज, सुभाष इंटर कॉलेज और श्री चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज सहित बलदेव एवं राया के मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गोवर्धन में बाइक चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

गोवर्धन (मथुरा)। गोवर्धन थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल और एक अवैध चाकू बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर की रात मुखबिर की सूचना पर गोवर्धन पुलिस ने गांठौली तिराहे से डींग की ओर जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर तीन युवकों को पकड़ा। उनकी पहचान गांठौली निवासी केदार (23), रोहित उर्फ पंडित (24) और हनुमत (26) के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसाइकिल बरामद कीं। इनमें एक का पंजीकरण नंबर UP 80 FX 8675 और दूसरी का RJ 05 BA 3023 है। तलाशी के दौरान एक अवैध चाकू भी मिला। पुलिस के मुताबिक, बरामदगी के आधार पर पहले से दर्ज चोरी के मुकदमे में संबंधित धाराएं बढ़ाई गई हैं।

आईपेक में माय गवर्नमेंट कैंपस कनेक्ट-2026 का आयोजन

युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने के लिए किया प्रेरित

तमसा संकेत, संवाददाता

गाजियाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपेक), गाजियाबाद में आईपेक-टीबीआई और भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माय गवर्नमेंट के सहयोग से माय गवर्नमेंट कैंपस कनेक्ट-2026 कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सरकारी प्रतिनिधियों, उद्योग विशेषज्ञों, स्टार्टअप से जुड़े लोगों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में 'बिल्डिंग फॉर भारतः स्टार्टअप, नवाचार और युवाओं की शक्ति' विषय पर पैनल चर्चा हुई। इसमें आइडियाबाज के सीओओ मुदित कुमार, इन्फ्लुएंसर तान्या वत्स और आईपेक-टीबीआई के सीईओ साजिद रजा ने भाग लिया।

उन्होंने विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने, तकनीक का उपयोग करने और अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने कहा कि युवा अपनी सोच और मेहनत से देश की समस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में आईपेक के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल और निदेशक प्रो. (डॉ.) डी.के. शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से नए विचारों के साथ आगे बढ़ने, अवसरों को पहचानने और अपने दम पर काम शुरू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं को नौकरी तलाशने के साथ-साथ रोजगार देने के बारे में भी सोचना चाहिए। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. अमित जैन, प्रो. डॉ. रणबीर सिंह और सपना शर्मा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में चार स्टार्टअप ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया और अपने विचारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके उत्पाद लोगों की जरूरतों को पूरा करने और रोजमर्रा की समस्याओं को दूर करने में कैसे मदद कर सकते हैं। इस दौरान स्टार्टअप से जुड़े लोगों को अपने काम को प्रस्तुत करने और दूसरे प्रतिभागियों से बातचीत करने का अवसर मिला। माईगव की ओर से अपर निदेशक अमित कुमार भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवाचार और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना तथा देश के डिजिटल विकास में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना रहा।

पृष्ठ 01 का शेष...

'जनजीवन में बदलाव ...

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में साधना श्रृंखला-2026 के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में वर्ष 2017 से पहले की प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उस दौर में परिवारवाद, तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार को प्राथमिकता दिए जाने से प्रशासनिक दक्षता और कार्यसंस्कृति प्रभावित हुई थी। उनके मुताबिक, अपराध, माफियाराज और नीतिगत उदासीनता विकास की संभावनाओं में बाधा बने हुए थे। कार्यशाला में ऑनलाइन प्रशिक्षण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस्तेमाल पर भी मंथन हुआ। उद्देश्य रहा कि अधिकारियों को नई तकनीक से जोड़ा जाए और उन्हें समय-समय पर उनकी जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण मिले। कार्यशाला में तैयार होने वाली योजना को उन्नति पोर्टल से जोड़ने की भी तैयारी है। इस पोर्टल के जरिए देशभर के 700 से अधिक सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों को एक मंच पर जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' की भावना के अनुरूप प्रदेश प्रशासन को अधिक प्रभावी बनाने और अंत्योदय के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश की अग्रणी भूमिका का लक्ष्य भी दोहराया। क्षमता विकास आयोग ने नेशनल करिकुलम डिजाइन फ्रेमवर्क (एनसीडीएफ) की भी शुरुआत की गई। कर्मयोगी क्वालिटी फ्रेमवर्क और कर्मयोगी कॉम्पिटेंसी मॉडल पर आधारित यह रूपरेखा प्रशिक्षण संस्थानों को अधिकारियों की भूमिका, कार्यगत आवश्यकताओं और अपेक्षित दक्षताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने तथा संचालित करने में मदद करेगी। इस फ्रेमवर्क में लर्निंग के चार स्तर निर्धारित किए गए हैं- बुनियादी, निपुणता, उन्नत और विशेषज्ञता। ये स्तर रणनीतिक, कार्यनीतिक और परिचालन संबंधी निर्णयों की जटिलता को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार करने में सहायक होंगे। इसका लक्ष्य प्रशिक्षण को अधिक सुनियोजित, उद्देश्यपूर्ण और प्रभावशाली बनाना है।

समाज को बांटने ...

अयोध्या राम मंदिर हो, उज्जैन का महाकाल धाम हो या केदारनाथ या बद्रीनाथ हो, हर जगह ऐसा ही हो रहा है। एक समय भारत से बहुत सी मूर्तियां चोरी कर विदेश ले जाई गईं। इन्हें बेच दिया गया। कोई इन्हें पूछने वाला नहीं था। हम पिछले 12 साल में ऐसी 600 मूर्तियां वापस लाए हैं। देश अब उस राह पर आगे बढ़ रहा है, जिसका सपना हमारे ऋषियों और राष्ट्रभक्तों ने देखा था। उनका विचार शक्ति हमारी ताकत है अब चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव भी भारत के अमृत काल से जुड़ रहा है। ये भारत के संकल्प की असली ताकत है। हमारे वेदों में लिखा है- राष्ट्र का हित चाहने वाले हम लोग राष्ट्र को महान बनाएं। स्वामी जी ने गीता ज्ञान के अभियान की शुरुआत की। आज इसी का परिणाम है कि लाखों युवा भारत के सांस्कृतिक ब्रांड एंबेसडर का काम कर रहे हैं। 1993 के फरवरी में मेरी गुरुदेव से मुलाकात हुई थी। मैं उन्हें अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद के शताब्दी समारोह में आमंत्रित करने गया था। गुरु जी इसके बाद अमेरिका गए। उन्होंने लोगों को इस इवेंट के प्रति जागरूक किया। 3 अगस्त को अमेरिका के सैन डिएगो में स्वामी जी हमें छोड़कर चले गए। मैं वहीं था, हम सभी को पूज्य गुरुदेव की कमी महसूस हो रही थी। चिन्मय एक विचार है जिसकी शुरुआत एक चिन्मय ऋषि ने की थी। जो चिन्मय है, वह स्वयं ही अमर है। इसलिए इस इवेंट का नाम भी इतना ही महत्वपूर्ण है। भारत में चिन्मय मिशन का नेटवर्क केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में फैला है। इन राज्यों में मिशन की मौजूदगी केंद्रों, आश्रमों, सत्संग, बच्चों और युवाओं के कार्यक्रमों तथा शैक्षणिक संस्थानों के जरिए है। मिशन के शैक्षणिक नेटवर्क में भारत में 80 से ज्यादा चिन्मय विद्यालय और कई कॉलेज शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी सामाजिक सेवा गतिविधियां चलती हैं। स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने 1951 में चिन्मय मिशन की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य गीता, उपनिषद और वेदांत की सीखों को आम लोगों तक पहुंचाना है। मिशन की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, आज मिशन के दुनियाभर में 350 से ज्यादा केंद्र और 1,000 से अधिक आध्यात्मिक अध्ययन समूह हैं। भारत में चिन्मय मिशन का नेटवर्क केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में फैला है। इन राज्यों में मिशन की मौजूदगी केंद्रों, आश्रमों, सत्संग, बच्चों और युवाओं के कार्यक्रमों तथा शैक्षणिक संस्थानों के जरिए है। मिशन के शैक्षणिक नेटवर्क में भारत में 80 से ज्यादा चिन्मय विद्यालय और कई कॉलेज शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी सामाजिक सेवा गतिविधियां चलती हैं। स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने 1951 में चिन्मय मिशन की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य गीता, उपनिषद और वेदांत की सीखों को आम लोगों तक पहुंचाना है। मिशन की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, आज मिशन के दुनियाभर में 350 से ज्यादा केंद्र और 1,000 से अधिक आध्यात्मिक अध्ययन समूह हैं। भारत में चिन्मय मिशन का नेटवर्क केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में फैला है। इन राज्यों में मिशन की मौजूदगी केंद्रों, आश्रमों, सत्संग, बच्चों और युवाओं के कार्यक्रमों तथा शैक्षणिक संस्थानों के जरिए है। मिशन के शैक्षणिक नेटवर्क में भारत में 80 से ज्यादा चिन्मय विद्यालय और कई कॉलेज शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसकी सामाजिक सेवा गतिविधियां चलती हैं। स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने 1951 में चिन्मय मिशन की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य गीता, उपनिषद और वेदांत की सीखों को आम लोगों तक पहुंचाना है। मिशन की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, आज मिशन के दुनियाभर में 350 से ज्यादा केंद्र और 1,000 से अधिक आध्यात्मिक अध्ययन समूह हैं। इस साल भर के उत्सव की शुरुआत पिछले साल हुई थी, जब प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में इलैयाराजा के संगीत वाली तमिल भगवद् गीता जारी की थी। इस दौरान कई बड़े कार्यक्रम हुए, जैसे कई जगहों पर बड़े हवन, त्रिपुरा में मां सौंदर्या चिन्मयी मंदिर की स्थापना और एक ऑनलाइन पाठ, जिसमें दुनिया भर के 1 लाख से ज्यादा लोगों ने एक साथ गीता के 15वें अध्याय का पाठ किया। इसके अलावा 'गीता पंचामृत' कार्यक्रम चलाया गया और गीता का संदेश फैलाने के लिए 15 नौजवानों ने पूरे देश में 40 हजार किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा की। 1993 के फरवरी में मेरी गुरुदेव से मुलाकात हुई थी। मैं उन्हें अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म संसद के शताब्दी समारोह में आमंत्रित करने गया था। गुरु जी इसके बाद अमेरिका गए। उन्होंने लोगों को इस इवेंट के प्रति जागरूक किया। 3 अगस्त को अमेरिका के सैन डिएगो में स्वामी जी हमें छोड़कर चले गए। मैं वहीं था, हम सभी को पूज्य गुरुदेव की कमी महसूस हो रही थी।

नेहा बोरा को पीस...

इसके बाद 18 अक्टूबर को उन्हें विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट की ओर से नोटिस मिला। नोटिस में 10 हजार का निजी बांड भरने और शांति बनाए रखने को कहा गया । इसमें जंतर-मंतर के आसपास बार-बार प्रदर्शन होने का उल्लेख है। जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाया जा चुका है। नोटिस में आरोप लगाया गया कि नेहा बोरा ने निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद लोगों को कनॉट प्लेस जाने के लिए उकसाया। नेहा बोरा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने अदालत में कहा कि मंडी हाउस पहुंचने के महज 10 से 15 मिनट के भीतर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने दलील दी कि नेहा ने बार-बार नियमों का उल्लंघन किया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने 12 बार उल्लंघन होने का दावा किया। शर्मा ने कहा कि विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने उपलब्ध सामग्री पर दो बार विचार किया था।

जांच अधिकारी से मिली जानकारी की पुष्टि के बाद ही नोटिस जारी किया गया। सत्ता परिवर्तन की मांग के मुद्दे पर भी अदालत में बहस हुई। नेहा के वकील ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार बदलने की मांग करना गलत नहीं है। केंद्र की ओर से इसका विरोध किया गया। ASG ने कहा कि सरकारें वोट के जरिए बदलती हैं, न कि दिल्ली के केंद्र में जुटने वाले 'उपद्रवी तत्वों' के जरिए।

शूटर मोना को दूसरा स्वर्ण, हनी ने जेवलिन थ्रो में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, शूटर मोना अग्रवाल ने दूसरा स्वर्ण पदक जीता

भारत को पैरा एशियन गेम्स में दिन का छठा गोल्ड

इंडिया को आज 6 गोल्ड, 8 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज सहित 16 मेडल मिल चुके हैं। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर आ गया है। उसके पास कुल 103 मेडल हैं।

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने पैरा एशियन गेम्स के 5वें दिन शुक्रवार को 6 गोल्ड मेडल जीत लिए हैं। इससे उसके 27 गोल्ड मेडल हो गए हैं।

सुबह पहला गोल्ड हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने रिकर्व आर्चरी में दिलाया। फिर नीतेश कुमार और नवीन शिवकुमार ने बैडमिंटन में एक-एक स्वर्ण जीते।

एथलेटिक्स में हनी जेवलिन थ्रो और संदीप 100 मीटर दौड़ में वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ एशियन चैंपियन बने। शूटर मोना अग्रवाल ने दूसरा स्वर्ण पदक जीता। रिकर्व आर्चरी की

रिकर्व मेंस डबल्स कैटेगरी में हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने फाइनल में चीन को 5-1 से हराया।

भारतीय जोड़ी ने दूसरा और तीसरा सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया। पहला गेम दोनों टीमों के बीच 35-35 से बराबर रहा। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम 37-36 से जीता। भारतीय जोड़ी ने तीसरा गेम 38-36 से जीता। उसने गेम के आधार पर मुकाबला 5-1 से अपने नाम कर लिया। वहीं, महिला पैरा रिकर्व डबल्स में भारत को सिल्वर मेडल मिला। भावना चौधरी और पूजा जाटयान को फाइनल में चीन की गाओ जिहान और वांग शुएचियान ने 6-0 से हराया। हनी (टॉप्स) ने पैरा एथलेटिक्स की पुरुष भाला फेंक F37/38 स्पर्धा में 60.49 मीटर का थ्रो करके गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने T37 कैटेगरी में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। हनी को 1,116 पॉइंट मिले।

पैरा एथलेटिक्स में भारत ने 100वां मेडल जीत लिया है। संदीप ने पुरुषों की 400 मीटर T64 स्पर्धा में 52.28 सेकेंड का समय लेकर गोल्ड मेडल जीता। अजय कुमार ने 53.61 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज जीता।

बैडमिंटन : नवीन शिवकुमार ने गोल्ड मेडल जीता

नवीन शिवकुमार ने पैरा बैडमिंटन के पुरुष सिंगल्स SL4 फाइनल में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने इंडोनेशिया के फ्रेडी सेटियावान को सीधे गेम में 21-9, 21-17 से हराया।

SL4 कैटेगरी के खिलाड़ियों के पैरे के निचले अंगों (पैरों) में मामूली या मध्यम स्तर की विकलांगता होती है। यह कैटेगरी उन एथलीटों के लिए होती है, जो खड़े होकर खेलते हैं।

गोल्ड मेडल मैच के बाद प्रमोद भगत और नीतेश कुमार।

बैडमिंटन : नीतेश कुमार ने प्रमोद को हराकर जीता पुरुष एसएल3 गोल्ड

नीतेश कुमार ने बैडमिंटन की मेंस सिंगल्स SL3 कैटेगरी के फाइनल में अपने ही देश के हमवतन प्रमोद भगत को सीधे गेमों में 21-18, 21-16 से हराया। नीतेश के पास अब थुलासिमथि के साथ मिक्स्ड डबल्स SL3-SU5 में भी गोल्ड जीतने का मौका है। वहीं, महिला SU5 में थुलासिमथि मुरुगेसन को सिल्वर मिला। उन्हें चीन की यांग क्यूशिया ने हराया।

झारखंड के शिखर मोहन इंडिया-ए टीम में शामिल

न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे-तीसरे चार दिवसीय मैच में खेलेंगे

नई दिल्ली। झारखंड के 21 साल के बाएं हाथ के ओपनर शिखर मोहन को इंडिया A टीम में शामिल किया गया है। वे न्यूजीलैंड A के खिलाफ चार दिवसीय सीरीज के दूसरे और तीसरे मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

मोहन ने मौजूदा रणजी ट्रॉफी में लगातार दो मैचों में शतक लगाए हैं। इसी प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुना गया है।

न्यूजीलैंड A और इंडिया A के बीच सीरीज का पहला मैच शनिवार से लिंकन में शुरू होगा। इसके बाद दूसरा मैच 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक क्राइस्टचर्च और तीसरा 7 से 10 नवंबर तक फिर लिंकन में खेला जाएगा। ये तीनों मैच भारत की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी का हिस्सा हैं। भारत को पांच टी-20 और पांच वनडे के बाद न्यूजीलैंड में दो टेस्ट खेलने हैं।

इंडिया A टीम में केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल,

ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप शामिल हैं।

केरल के खिलाफ पहले रणजी मैच में मोहन ने 196 गेंदों पर 143 रन बनाए। उनकी पारी में 18 चौके और दो छक्के शामिल थे। झारखंड ने इस मैच में पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। महाराष्ट्र के खिलाफ दूसरे मैच में झारखंड पहली पारी में 358 रन से पिछड़ गया था। टीम पर बड़ी हार का खतरा था। मोहन ने दूसरी पारी में दबाव के बीच 127 रन बनाए। उनकी पारी से झारखंड हार से बच गया और टीम को एक अंक मिला।

आयुष म्हात्रे ने जांघ के पिछले हिस्से की सर्जरी कराई

2-3 महीने क्रिकेट से दूर रहेंगे, रणजी मैच में चोट लगी थी

नई दिल्ली, एजेंसी

अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने दाईं जांघ के पिछले हिस्से (हैमस्ट्रिंग) की सर्जरी कराई है। वे करीब 2-3 महीने क्रिकेट से दूर रहेंगे। 19 साल के आयुष 11 अक्टूबर को रणजी ट्रॉफी में चंडीगढ़ के खिलाफ रन लेने के दौरान चोटिल हो गए। वे मुंबई की रणजी टीम के उपकप्तान भी हैं।

मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में गुरुवार को उनकी सर्जरी हुई। BCCI के एक सूत्र के मुताबिक, सर्जरी डॉ. दिनशॉ पार्डीवाला ने की। सूत्र ने बताया कि सर्जरी सफल रही है। म्हात्रे अच्छी तरह रिकवर कर रहे हैं और शुक्रवार सुबह बैसाखी के सहारे धीरे-धीरे

चलना भी शुरू कर दिया। यह म्हात्रे का IPL के दौरान बाईं हैमस्ट्रिंग में लगी चोट के बाद पहला मैच था। उन्हें 18 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए चोट लगी थी। बाईं हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद म्हात्रे ने बेंगलुरु स्थित BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तीन महीने बिताए थे। वहां उनका इलाज और रिहैबिलिटेशन हुआ। म्हात्रे की चोट के कारण मुंबई को इस रणजी ट्रॉफी सीजन में दो मैचों में दूसरी ओपनिंग जोड़ी उतारनी पड़ी।

चंडीगढ़ के खिलाफ म्हात्रे ने यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की थी।

भारतीय ओपनर के राष्ट्रीय टीम की ड्यूटी पर जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के खिलाफ अंगकृष रघुवंशी और दिव्यांश सक्सेना ने पारी की शुरुआत की। म्हात्रे की जगह सूर्यांश शेडगे को टीम से जोड़ा किया है।

श्रीलंका का वनडे में दूसरा सबसे बड़ा रनचेज

रावलपिंडी । श्रीलंका ने वनडे ट्राई सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ 429 रन चेज कर दिए। यह वनडे क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज है। ट्राई सीरीज में तीसरी टीम मेजबान पाकिस्तान है।

रावलपिंडी में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट पर 429 रन बनाए। कप्तान हैरी ब्रूक ने 116 गेंद पर 202 रन बनाए। उन्होंने वनडे का सबसे तेज दोहरा शतक लगाया।

जवाब में श्रीलंका ने 49.5 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। पवन रत्नायके ने 106 गेंद पर 130 रन बनाए। दासुन शनाका और असिथा फर्नांडो ने भी 97-97 रन की पारी खेली। वहीं जनिथ लियानागे 27 गेंद पर 61 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। इंग्लैंड के ओपनर्स टॉम बैंटन और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। बैंटन ने 51 गेंदों पर 50 रन बनाए, जिसमें 9 चौके शामिल थे। डकेट 39 गेंदों पर 29 रन बनाकर आउट हुए।

पहले मैच में लगी चोट, सूर्यवंशी को मौका मिल सकता है

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को होने वाले दूसरे T20I में नहीं खेलेंगे। भारतीय बल्लेबाज की दाईं जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है। BCCI ने शुक्रवार को X पर पोस्ट करके यह जानकारी दी।

इसके कुछ देर बाद बैटिंग कोच

सितांशु कोटक ने कहा है कि ईशान के चोटिल होने से वैभव सूर्यवंशी प्लेइंग-11 में मौका मिल सकता है।

ईशान किशन ICC रैंकिंग में टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। वे इस साल भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। ईशान ने एक जनवरी 2026 से 35 टी20 मैचों में 1159 रन बनाए हैं। हालांकि, वे न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में एक रन ही बना सके थे। ईशान के चोटिल होने से प्लेइंग-11 में एक जगह खाली हुई है। कोटक ने कहा- उनकी जगह वैभव को मौका दिया जा सकता है।

मौजूदा टीम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ऐसे खिलाड़ी हैं, जो टॉप-3 में खेलते हैं। इस कारण ईशान की जगह वैभव का दावा सबसे मजबूत है।

वैभव 6 मैचों से अपनी मौके का इंतजार कर रहे हैं। वे भारत के लिए आखिरी बार एशियाड के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ खेले थे। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों में मौका नहीं मिला था।

बोर्ड ने कहा- मेडिकल टीम चोट की निगरानी कर रही

BCCI ने बयान में कहा, 'ईशान किशन को पहले T20I के दौरान दाईं तरफ की एडडक्टर मांसपेशियों में हल्की चोट लगी थी। मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है।'

हालांकि, BCCI ने यह नहीं बताया कि ईशान को ठीक होने में कितना समय लगेगा। एडडक्टर मांसपेशियां जांघ के अंदरूनी हिस्से में होती हैं।

मनोरंजन

अरबाज से तलाक के बाद अर्जुन कपूर से जुड़ा नाम अब नए रिश्तों की चर्चा, बेटे अरहान से पूछा- तुमने वर्जिनिटी कब खोई थी

मलाइका मना रही 53वां जन्मदिन

नई दिल्ली। मलाइका अरोड़ा आज 53वां जन्मदिन मना रही हैं। ग्लैमरस अंदाज, फिटनेस और बेबाक व्यक्तित्व के लिए मशहूर मलाइका की निजी जिंदगी भी सुर्खियों में रही है। अरबाज खान से करीब 19 साल की शादी, तलाक के बाद अर्जुन कपूर के साथ लंबा रिश्ता और ब्रेकअप के बाद नए लोगों से नाम जुड़ने तक, उनकी लव लाइफ चर्चा में रही है। डीनो मोरिया का नाम उनसे जोड़ने की चर्चाएं हुईं, तो डायमंड कारोबारी हर्ष मेहता और अभिनेता-मॉडल सोराब बेदी के साथ तस्वीरों ने डेटिंग की अटकलें बढ़ाईं।

अप्रैल 2024 में बेटे अरहान खान के पॉडकास्ट में मलाइका का सवाल भी वायरल हुआ था। उन्होंने पूछा था, 'तुमने अपनी वर्जिनिटी कब खोई थी?' अरहान का रिएक्शन और फिर मां से उनकी शादी के बारे में पूछना सुर्खियों में रहा। अर्जुन से अलग होने के बाद मलाइका के साथ किसी पुरुष की तस्वीर सामने आने पर नए रिश्ते की अटकलें लगने लगीं। जनवरी 2026 में 'इंडिया टुडे' को दिए इंटरव्यू में उन्होंने माना कि उनके रिश्तों को लेकर लगातार सुर्खियां बनती हैं।

उन्होंने कहा कि पुराने या शादीशुदा दोस्त अथवा मैनेजर के साथ बाहर निकलने पर भी उन्हें उस व्यक्ति से जोड़ दिया जाता है। उन्होंने इस दखलअंदाजी को 'बॉर्डरलाइन वॉयूरिज्म' यानी निजी जिंदगी में हद से ज्यादा झांकने जैसा बताया।

छैंया-छैंया से मिली पहचान, निजी जिंदगी भी रही सुर्खियों में

मलाइका अरोड़ा ने मॉडलिंग और टेलीविजन से करियर की शुरुआत की थी। 1998 में आई फिल्म 'दिल से' के गाने 'छैंया-छैंया' में डांस से उन्हें देशभर में पहचान मिली। इसके बाद 'मुन्नी बदनाम हुई' जैसे गानों ने लोकप्रियता बढ़ाई। उन्होंने रियलिटी शोज में जज के तौर पर भी पहचान बनाई और फिटनेस, फैशन तथा लाइफस्टाइल को लेकर चर्चा में रहीं। मलाइका की पेशेवर उपलब्धियों के साथ निजी रिश्ते भी चर्चा का विषय रहे हैं। अरबाज खान से शादी के बाद कई साल तक वह चर्चित सेलिब्रिटी कपल का हिस्सा रहीं। तलाक के बाद अर्जुन कपूर के साथ रिश्ता सार्वजनिक हुआ, तो उम्र के अंतर और शादी की संभावनाओं पर सवाल उठे।

अर्जुन कपूर से अलग होने के बाद मलाइका अरोड़ा का नाम डायमंड कारोबारी हर्ष मेहता से जुड़ा।

मलाइका और अरबाज की शादी 12 दिसंबर 1998 को हुई थी।

अरबाज खान से पहली मुलाकात, प्यार और 1998 में शादी

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान की मुलाकात ऐड की शूटिंग के दौरान हुई थी। दोनों करीब आए और दिसंबर 1998 में शादी कर ली। उस समय मलाइका मॉडलिंग में पहचान बना रही थीं, जबकि अरबाज अभिनेता और फिल्म निर्माता के तौर पर काम कर रहे थे। शादी के बाद दोनों अक्सर फिल्मी पार्टियों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में साथ नजर आते थे। उनके बेटे अरहान खान का जन्म हुआ। दोनों ने परिवार और करियर के बीच संतुलन बनाते हुए कई साल साथ बिताए।

सनी देओल की फिल्म 'सूर्या' विवादों में आई सरकार को लिखा पत्र

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने डॉक्टरों पर हिंसा दिखाने पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली। सनी देओल की अपकमिंग फिल्म 'सूर्याः अंत से आरंभ तक' विवादों में आ गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) ने फिल्म के कंटेंट पर आपत्ति जताई है। IMA ने फिल्म में मेडिकल सेक्टर में भ्रष्टाचार को आम बताने और डॉक्टरों पर हिंसा दिखाने पर चिंता जताई है। फिल्म 20 नवंबर को रिलीज होने वाली है। IMA ने कहा कि फिल्म का प्रमोशनल कंटेंट पूरे हेल्थकेयर सेक्टर में भ्रष्टाचार और अनैतिक कामों की गलत इमेज बना सकता है। IMA ने पत्र में कहा, "हम फिल्म 'सूर्याः अंत से आरंभ तक' में मेडिकल प्रोफेशन को दिखाने को लेकर गंभीर चिंता जताते हैं। इसके प्रमोशनल कंटेंट में हेल्थकेयर सेक्टर में भ्रष्टाचार को आम बताने, मेडिकल प्रोफेशनल्स पर हिंसा दिखाने और लोगों के भरोसे व कर्मचारियों की सुरक्षा पर संभावित असर को लेकर चिंता है।" एसोसिएशन ने आगे कहा, "डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अस्पताल के कर्मचारियों पर शारीरिक हमले दिखाने वाले दृश्य हिंसा को सामान्य बना सकते हैं। ऐसे हमले अगर वीरतापूर्ण या सही ठहराए गए काम की तरह दिखें,

तो मेडिकल प्रोफेशनल्स के खिलाफ दुश्मनी बढ़ सकती है।" IMA ने साफ किया कि वह भ्रष्टाचार, अनैतिक मेडिकल प्रैक्टिस या प्रोफेशनल गलती का समर्थन नहीं करता। उसके मुताबिक, किसी भी गलत काम पर कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। IMA ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय से फिल्म के कंटेंट और मेडिकल प्रोफेशन के चित्रण की निष्पक्ष समीक्षा करने को कहा। एसोसिएशन ने फिल्म बनाने वालों से कथित गलत कामों को आम बताने और हेल्थकेयर कर्मचारियों पर हिंसा दिखाने वाले हिस्सों में उचित सुधार की मांग की।

एक्ट्रेस स्मिता जयकर ने बताया फिल्म हम दिल दे चुके सनम की शूटिंग का किस्सा

'ऐश्वर्या को छूने पर सलमान खान पर भड़के थे भंसाली'

नई दिल्ली। एक्ट्रेस स्मिता जयकर ने हाल ही में बताया कि फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने सलमान खान को डांटा था।

स्मिता ने कहा कि गाने 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग में सलमान ने ऐश्वर्या राय बच्चन की बांह छू ली थी। यह सीन का हिस्सा नहीं था। यह बात एक्ट्रेस ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में कही। स्मिता जयकर ने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या की ऑनस्क्रीन मां का किरदार निभाया था। उन्होंने कहा कि सलमान और ऐश्वर्या की नजदीकियां फिल्म की शूटिंग के दौरान बढ़ीं।

स्मिता ने उस दौर को याद करते हुए कहा, "उस समय उनका प्यार

बढ़ रहा था। दोनों प्यार में थे और एंजेल जैसे दिखते थे। उस समय ऐश्वर्या बहुत खूबसूरत लगती थीं। यह फिल्म के लिए भी काम कर गया। वह जादू पर्दे पर नजर आया।" उन्होंने कहा कि उन्हें प्यार में पड़े लोगों को देखकर अच्छा लगता था। हालांकि, उनकी देरी से सेट पर इंतजार कर रहे क्रू की परेशानी बढ़ जाती थी। स्मिता ने 'आंखों की गुस्ताखियां' की शूटिंग का एक किस्सा भी बताया। यह 'हम दिल दे चुके सनम' के रोमांटिक गानों में शामिल था।

स्मिता ने बताया, "सलमान को मेज के चारों ओर घूमकर आना था और ऐश्वर्या वहां खड़ी थीं। उन्होंने उनकी बांह छू ली, जबकि उन्हें ऐसा नहीं करना था। संजय ने पूछा, 'सलमान, तुमने उसे क्यों छुआ?'" उन्होंने आगे कहा, "सलमान का बस उन्हें छूने का मन हुआ। वह प्यार में थे, इसलिए उन्होंने उन्हें छू लिया। लेकिन सीन ऐसे नहीं किया जाना था। संजय ने उन पर चिल्लाकर पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। सीन में सलमान को सिर्फ वहां खड़े होकर ऐश्वर्या को देखना था।"

स्मिता ने बताया, "बाकी क्रू शिकायत करता था कि ये लोग बहुत देर से आते हैं। हमारी सुबह 7 बजे की शिफ्ट है और हम 10 बजे तक इंतजार कर रहे हैं। वे अब तक नहीं आए हैं, लेकिन मुझे हमेशा लगता था कि जब आप प्यार में होते हैं, तो क्या कह सकते हैं?" उन्होंने आगे कहा, "वे (सलमान और ऐश्वर्या) दोनों सुबह 11 बजे साथ आते थे। उन्हें अपने आसपास की किसी चीज और इस बात का अहसास नहीं होता था कि पूरा सेट उनका इंतजार कर रहा है, लेकिन प्यार में ऐसा ही होता है।"

नेतन्याहू हारे या जीतें, पक्ष-विपक्ष कोई अलग देश बनाने को तैयार नहीं, वामपंथी पार्टियों ने भी एजेंडा बदला

फिलिस्तीनियों की मुश्किलें रहेंगी बरकरार

चुनाव

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में 27 अक्टूबर को चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता बचेगी या जाएगी, इसका फैसला जनता करेगी, लेकिन इस चुनाव से फिलिस्तीनियों की जिंदगी में कोई बड़ा बदलाव आएगा, इसकी उम्मीद कम है।

वजह यह है कि नेतन्याहू के विरोध में खड़ी ज्यादातर पार्टियां भी फिलिस्तीन को अलग देश बनाने के पक्ष में नहीं हैं। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल की संसद में फिलिस्तीनियों के खिलाफ कई प्रस्तावों को समर्थन मिला।

यहां तक कि जो वामपंथी पार्टियां पहले फिलिस्तीन के साथ समझौते और दो अलग देशों के रास्ते की बात करती थीं, उनके एजेंडे में भी

बदलाव दिख रहा है। ऐसे में सत्ता बदलने के बावजूद फिलिस्तीनियों के लिए हालात बदलना मुश्किल नजर आता है।

दुनिया के ज्यादातर देशों में वामपंथी पार्टियां गरीबों और कमजोर वर्गों की मदद करने, सरकारी खर्च बढ़ाने और प्रवासियों के अधिकारों की बात करती हैं। दक्षिणपंथी पार्टियां देश की सीमाएं सख्त रखने, व्यापार में सरकारी हस्तक्षेप कम रखने और राष्ट्रीय पहचान पर जोर देती हैं। इजराइल में वामपंथ और दक्षिणपंथ का फर्क मुख्य रूप से फिलिस्तीन को लेकर उनके रुख से तय होता रहा है। वामपंथी पार्टियां फिलिस्तीनियों के साथ बातचीत करके विवाद सुलझाने और जमीन को लेकर समझौता करने की बात करती रही हैं। वहीं, दक्षिणपंथी पार्टियां फिलिस्तीन को अलग देश बनाने का विरोध करती हैं और कब्जे वाले इलाकों में यहूदी बस्तियां बसाने का समर्थन करती हैं। हालांकि अब यह बीते दिनों की बात हो गई है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास हमले के बाद इजराइल की राजनीति दक्षिणपंथ की तरफ मुड़ गई है। फिलहाल ये स्थिति है कि वामपंथी पार्टियां इस मुद्दे को छू ही नहीं रही हैं।

इजराइल में विपक्ष का मतलब यह नहीं है कि सभी पार्टियां वामपंथी हैं। पिछली संसद में यायर लापिड के नेतृत्व वाली येश अतिद सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी थी। उसके पास 24 सीटें थीं। बेनी गैंट्ज की ब्लू एंड व्हाइट पार्टी दूसरी प्रमुख विपक्षी पार्टी थी।

नेतन्याहू का मौजूदा गठबंधन

नवंबर 2022 के चुनाव के बाद नेतन्याहू की दक्षिणपंथी पार्टी लिकुड 32 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। इसके बाद उसने 64 सीटों का गठबंधन बनाया।

इस गठबंधन में दो कट्टर दक्षिणपंथी पार्टियां, शास और यूनाइटेड तोराह जूडिज्म शामिल थीं। इसके अलावा कट्टर दक्षिणपंथी धार्मिक जायनिज्म गठबंधन भी सरकार का हिस्सा था। इसमें धार्मिक जायनिज्म और ओत्जमा येहुदित पार्टियां शामिल थीं।

यह इजराइल के इतिहास की सबसे कट्टर दक्षिणपंथी सरकार मानी गई।

बेजालेल स्मोट्रिच धार्मिक जायनिज्म पार्टी के प्रमुख हैं। वे वित्त मंत्री हैं और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में नागरिक मामलों पर भी उनका अधिकार है। इनमें यहूदी बस्तियों की योजना बनाने से जुड़े मामले शामिल हैं।

इतमर बेन ग्विर ओत्जमा येहुदित पार्टी के प्रमुख हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री रहे हैं और पुलिस उनके मंत्रालय के अधीन आती है। स्मोट्रिच और बेन ग्विर दोनों ने कब्जे वाले इलाकों को इजराइल में मिलाने और वहां यहूदी बस्तियों का विस्तार करने की मांग की है। दोनों नेता कई बार सरकार से समर्थन वापस लेने की धमकी देकर अपनी नीतियां लागू कराने की कोशिश कर चुके हैं।

इजराइल की संसद को नेसेट कहा जाता है। इसमें कुल 120 सीटें हैं। आज तक कोई भी पार्टी अपने दम पर इतनी सीटें नहीं जीत पाई कि वह अकेले सरकार बना सके।

सरकार बनाने के लिए प्रधानमंत्री को कम से कम 61 सांसदों का समर्थन चाहिए। इसके लिए सबसे बड़ी पार्टी को छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन करना पड़ता है।

खदान में ब्लास्ट होने से दो लोगों की मौत, पांच घायल

अंकारा, एजेंसी

उत्तरी तुर्किए में शुक्रवार को खदान में हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है और पांच घायल हैं। अंदर फंसे एक मजदूर तक पहुंचने की कोशिश में बचावकर्मी जुटे हैं। मेडिकल टीमें और बचावकर्मी मोर्चे पर डटे हैं। अधिकारी ने बताया कि तुर्किए में खदान में विस्फोट होने की वजह से वहां काम कर रहे दो मजदूरों की मौत हो गई। इस हादसे में वहां काम कर रहे पांच अन्य मजदूर घायल हो गए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हादसे की वजह से एक मजदूर अंदर ही फंस गया है। बचावकर्मी उस मजदूर तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। खदान में विस्फोट के बाद ऑक्सीजन की सप्लाई जारी रखना सबसे बड़ी चुनौती रहती है। इसलिए राहत बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। विस्फोट के कारण का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

- खदान विस्फोट में दो मजदूरों की दुखद मौत हुई।
- पांच मजदूर घायल, जिनमें दो की हालत गंभीर।
- बचावकर्मी एक फंसे मजदूर को निकालने में जुटे।

ब्लैक सी के तटीय प्रांत जोंगुलदाक के किलिमली शहर में ये हादसा हुआ है। घटनास्थल पर मेडिकल टीमें और बचावकर्मी जुटे हुए हैं।

जोंगुलदाक के गवर्नर उस्मान हासिबेक्तासोग्लू ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि घायल मजदूरों में से दो की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि एक अन्य घायल को इलाज के लिए राजधानी अंकारा के अस्पताल ले जाया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

ऑस्ट्रेलिया: लाइव कवरेज के दौरान रिपोर्टर बना देवदूत

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में भारी बारिश के दौरान एक कार पानी में डूबने लगी, जिसे देख मौके पर मौजूद एक न्यूज रिपोर्टर और एक राहगीर ने अपनी जान जोखिम में डालकर बाढ़ के पानी में डूब रही कार से ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। 'पीपल' की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना गुरुवार, 22 अक्टूबर को ब्रिस्बेन के उत्तर में मोरेफील्ड के बुकानन रोड पर हुई।

पेरिस में अंधाधुंध फायरिंग में एक की मौत और कई घायल

पेरिस। पेरिस के उपनगर में गोलीबारी हुई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने घटना की सूचना दी।

फ्रांसीसी ब्रॉडकास्टर ने सूत्रों के हवाले से बताया कि शुक्रवार को पेरिस के पास एक उपनगर की सड़क पर हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हुए हैं। गोलीबारी के आरोपी को यवेलिन्स विभाग के कॉइनिएरेस इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक हमले के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

'गलत संबंध' के आरोप स्वीकार कर न्यूजीलैंड के आर्मी चीफ ने दिया इस्तीफा

न्यूजीलैंड। न्यूजीलैंड के आर्मी चीफ टोनी डेविस ने एक राने अनुचित संबंध और समय पर उसका खुलासा न करने की बात स्वीकार करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रक्षा मंत्री पॉल गोल्डस्मिथ को भेजे गए इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि उनका यह आचरण सेना के मूल्यों के खिलाफ था और वह अपने अतीत के गलत फैसलों की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं।

तिब्बत में 7 तीव्रता का भूकंप, 16 मौतें, 65 घायल

अब तक 400 से ज्यादा आफ्टरशॉक आए

ल्हासा, एजेंसी

तिब्बत में गुरुवार रात 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 65 लोग घायल हुए हैं। भूकंप के बाद 12 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। राहत और बचाव का काम जारी है।

चीनी सरकारी मीडिया के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तक भूकंप के बाद 400 से ज्यादा झटके दर्ज किए गए। भूकंप का केंद्र तिब्बत के नागक्यू शहर के बाछेन काउंटी में था। यह जमीन से 10 किलोमीटर से भी कम गहराई पर आया। यह जगह तिब्बत की राजधानी ल्हासा से करीब 400 किलोमीटर दूर है।

शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, भूकंप से 330 से ज्यादा घर ढह गए या उन्हें नुकसान पहुंचा है। वहीं, पाकिस्तान में 4.9 और अफगानि-स्तान में 4.1 तीव्रता के भूकंप के

झटके महसूस किए गए हैं।

तिब्बत दुनिया के उन इलाकों में शामिल है, जहां भूकंप आने का खतरा ज्यादा रहता है। यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं। इनकी हलचल से हिमालय पर्वत बना है, लेकिन इसी वजह से इलाके में भूकंप भी आते रहते हैं।

जनवरी 2025 में तिब्बत के तिंगरी काउंटी में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें तिब्बत में करीब 400 लोगों की मौत हुई थी, जबकि पड़ोसी नेपाल में 13 लोगों की जान गई थी।

दुनिया की 17% आबादी भारत में, फिर भी कार्बन उत्सर्जन में हिस्सा 3% से कम

जलवायु संकट के लिए यूरोप बड़ा जिम्मेदार : पीयूष गोयल

बर्लिन, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को जलवायु संकट के लिए यूरोप को बड़ा जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया की 17% आबादी है लेकिन कार्बन उत्सर्ज में योगदान 3% से भी कम है। गोयल ने जर्मनी में बर्लिन ग्लोबल डायलॉग कार्यक्रम में कहा कि भारत की तुलना में यूरोप का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन 7 से 8 गुना ज्यादा है।

गोयल ने कहा,इस पूरी गड़बड़ी के लिए सबसे पहले कौन जिम्मेदार है? ओजोन परत को नुकसान कहां से पहुंचा? किसने वातावरण में इतना सारा कार्बन छोड़ा?

मंत्री ने कहा कि भारत को

जलवायु परिवर्तन से जुड़ी अपनी जिम्मेदारियां निभाने के साथ 1.4 अरब लोगों की जरूरतें भी पूरी करनी हैं। ऊर्जा क्षेत्र पर नजर रखने वाली संस्था एंबर के मुताबिक, 2024 में भारत हवा और सौर ऊर्जा से बिजली बनाने के मामले में जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया था। वहीं, 2025 में भारत में नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई।

भारत हवा-सौर ऊर्जा से बिजली बनाने में तीसरे नंबर पर

गोयल ने कहा कि भारत संसाधनों की बर्बादी रोकने और चीजों को दोबारा इस्तेमाल करने पर जोर दे रहा है। इन चुनौतियों के बावजूद भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश का स्वच्छ ऊर्जा कार्यक्रम दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाले कार्यक्रमों में शामिल है।

भारत के केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल जर्मनी में बर्लिन ग्लोबल डायलोग के दौरान बोलते हुए।

'आर्थिक मदद का वादा, लेकिन 11 साल बाद भी कुछ नहीं मिला'

गोयल ने कहा कि जलवायु संकट से निपटने की जिम्मेदारी उन देशों की ज्यादा होनी चाहिए, जिन्होंने दशकों तक प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करके आर्थिक विकास किया और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने 2015 में हुए पेरिस जलवायु सम्मेलन का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय विकसित देशों ने विकासशील और कम विकसित देशों की मदद करने पर सहमति जताई थी। इसमें प्रशांत महासागर और कैरेबियन क्षेत्र के छोटे द्वीपीय देश भी शामिल थे, जो जलवायु परिवर्तन के खतरे से ज्यादा प्रभावित होते हैं। गोयल के मुताबिक, विकसित देशों ने हर साल 100 अरब डॉलर यानी करीब 9 लाख करोड़ रुपए की आर्थिक मदद देने का वादा किया था।

पाक का आरोप- फर्जी मुठभेड़ में कश्मीरी मर रहे, उन्हें सम्मान से दफनाने का हक भी नहीं

पाकिस्तान अल्पसंख्यकों पर हमें नसीहत न दे : भारत

भाविका मंगलानंदन ने यह बात यूएन की एक रिपोर्ट को लेकर कही। रिपोर्ट में कोरोना के दौरान शवों को दफनाने और धार्मिक रीति-रिवाजों से अंतिम संस्कार करने में आई दिक्कतों के लिए विकासशील देशों को जिम्मेदार ठहराया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र (UN) में गुरूवार को भारत और पाकिस्तान के बीच धार्मिक आजादी और मानवाधिकारों को लेकर तीखी बहस हुई। भारत ने पाकिस्तान पर अपने धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं करने का आरोप लगाया।

भारतीय राजनयिक भाविका मंगलानंदन ने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की संख्या घट रही है और उनके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो देश अपने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा नहीं कर सकता, उसे भारत को नसीहत देने का कोई हक नहीं है।

इसके पहले पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि जम्मू-कश्मीर में लोग फर्जी मुठभेड़ों में मारे जा रहे हैं। उन्हें

सम्मान के साथ दफनाने का हक भी नहीं दिया जाता। भारत में मुस्लिमों का मुद्दा: भारत में मुस्लिमों को निशाना बनाया जाता है और उनके खिलाफ हिंसा होती है।

धार्मिक आजादी की रिपोर्ट: UN की विशेष रिपोर्टर से धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर कब्जे वाले इलाकों में रहने वाले लोगों की स्थिति पर रिपोर्टिंग जारी रखने की अपील की।

प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों और लोगों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक, 7 जून को हुई झड़पों में कम से कम 8 प्रदर्शनकारियों और 4 पुलिसकर्मियों की मौत की पुष्टि पुलिस ने की थी। इसके बाद भी इलाके में तनाव बना रहा।

भाविका मंगलानंदन ने 1999 की कारगिल जंग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस युद्ध में पाकिस्तान ने अपने मारे गए कुछ सैनिकों के शव लेने से इनकार कर दिया था। इसके बावजूद भारतीय सेना ने कई पाकिस्तानी सैनिकों को पूरे सैन्य सम्मान और इस्लामी रीति-रिवाजों के साथ दफनाया था।

UN में भारत का पक्ष रखते हुए प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन।

भारत ने रावलाकोट में हुई हिंसा का मुद्दा उठाया

भाविका मंगलानंदन ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के रावलाकोट में हुई हिंसा का भी जिक्र किया। उन्होंने पाकिस्तान से सवाल किया कि जब वह भारत में मानवाधिकारों की बात करता है, तो उसे अपने नियंत्रण वाले इलाकों में लोगों के साथ हो रहे बर्ताव पर भी ध्यान देना चाहिए। रावलाकोट में इस साल जून में राजनीतिक अधिकारों और विधानसभा की 12 सीटों को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। ये सीटें भारत प्रशासित जम्मू-कश्मीर से आए शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। प्रदर्शनकारी इन सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे थे।

अफसर के चेहरे पर चालान फेंकने पर 3 लाख जुर्माना

कोर्ट ने 40 गुना ज्यादा पेनल्टी लगाई

इंग्लैंड, एजेंसी

ब्रिटेन के कॉर्नवाल में गलत जगह गाड़ी खड़ी करने पर एक शख्स का चालान कटा। उसने चालान भरने से मना किया और महिला अफसर के मुंह पर चालान फाड़कर फेंक दिया। उसे 60 पाउंड यानी 7600 रूपए देने थे। लेकिन जब मामला कोर्ट पहुंचा तो पेनल्टी 40 गुना बढ़ गई। 14 अक्टूबर को सुनवाई के बाद अदालत ने शख्स पर लगभग 3 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया।

ब्रिटेन की न्यूज वेबसाइट मेट्रो की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी व्यक्ति का नाम स्टीफन लैंग है।

महिला अफसर ने उसकी कार की विंडस्क्रीन पर चालान लगाया था। लैंग ने चालान फेंका और वहां से चला गया।

कुछ देर बाद जब महिला अफसर जमीन से चालान उठाकर दोबारा

कार पर लगाने लगी, तो लैंग वापस आया। उसने चालान फिर से हटाया, उसे मसल दिया और महिला की तरफ फेंक दिया।

पूरी पार्किंग में लगे CCTV कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। कॉर्नवाल काउंसिल के मुताबिक, लैंग को 20 नवंबर 2025 को कचरा फैलाने के मामले में दोषी पाया गया था।

उसे कोर्ट ने 250 पाउंड (करीब 32 हजार रुपए) का पेनल्टी नोटिस दिया गया था। लेकिन उसने जुर्माना नहीं भरा। रिमाइंडर भेजने और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देने के बाद भी भुगतान नहीं किया।

हमला : मरीजों का डेटा लीक, हेल्थकेयर सेक्टर पर इस साल दुनियाभर में 716 हमले, अकेले अमेरिका में 410

अमेरिकी मेडिकल लैब पर साइबर अटैक

न्यू जर्सी, एजेंसी

अमेरिका की बड़ी मेडिकल जांच कंपनियों में शामिल क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स पर साइबर हमला हुआ है। इस हमले में हैकरों ने मरीजों की मेडिकल रिपोर्ट और उनकी निजी जानकारी तक पहुंच बना ली।

अभी तक क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स ने यह नहीं बताया है कि साइबर हमले से कितने मरीज प्रभावित हुए हैं। कंपनी के मुताबिक, कितने मरीजों की जानकारी तक पहुंच बनाई गई और कौन-कौन से रिकॉर्ड प्रभावित हुए, इसकी जांच जारी है।

कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। साइबर सुरक्षा पर नजर रखने वाली कंपनी कंपैरीटेक के मुताबिक, सितंबर 2026 तक दुनियाभर में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संस्थानों पर साइबर हमलों के 716 मामले सामने आए। इनमें से 410

हमले अकेले अमेरिका में हुए। कंपनी के मुताबिक, इस हमले से उसका रोजमर्रा का कामकाज प्रभावित नहीं हुआ है। डॉक्टर और अस्पताल पहले की तरह लैब जांच के लिए सैंपल भेज सकते हैं। इसके लिए वे कंपनी के लैब सिस्टम या इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड (ईएमआर) का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स के मुताबिक, उस ऑनलाइन सिस्टम में मौजूद कुछ मरीजों के डेटा तक बिना इजाजत पहुंच बनाई गई। हालांकि, कंपनी के दूसरे सिस्टम प्रभावित नहीं हुए। कंपनी ने बताया कि इस घटना में मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और पहचान से जुड़ी निजी जानकारी तक पहुंच बनाई गई। लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि कौन-सी खास जानकारी देखी गई या प्रभावित हुई।

कंपनी जांच कर रही है कि कितने डेटा तक पहुंच बनाई गई थी। उसने कहा कि कानून के तहत जिन लोगों को इस घटना की जानकारी देना जरूरी होगा, उन्हें सूचित किया जाएगा।

क्वेस्ट डायग्नोस्टिक्स का ऑनलाइन सिस्टम हैक हुआ

कंपनी के मुताबिक, हैकिंग का असर उसके क्वानम लैब सर्विसेज मैनेजर (LSM) सिस्टम पर पड़ा। इस ऑनलाइन सिस्टम का इस्तेमाल कुछ ग्राहक लैब टेस्ट बुक करने, जांच के नतीजे देखने और रिपोर्ट हासिल करने के लिए करते हैं।

हमले का पता चलते ही कंपनी ने इस सिस्टम का इस्तेमाल रोक दिया। कंपनी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और इसके लिए संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मदद भी ली जा रही है।

कंपनी ने कहा कि वह मरीजों की निजी जानकारी की सुरक्षा को गंभीरता से लेती है। फिलहाल प्रभावित सिस्टम को जल्द से जल्द पूरी तरह चालू करने की कोशिश की जा रही है।

साइबर सुरक्षा रिसर्च कंपनी कंपैरीटेक की रिपोर्ट के मुताबिक, हैल्थसेक्टर में इस साल जनवरी से जून के बीच दुनियाभर में 410 साइबर हमले और अमेरिका में 225 हमले दर्ज किए गए।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए टेस्ट में 75% अंक लाना होगा

पहले 60% अंक जरूरी था, कार्ड में नाम-पता बदलवाना फ्री

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आपको नया ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना है, तो अब टेस्ट में पास होने के लिए 75% अंक लाना होगा। पहले टेस्ट में पास होने के लिए कम से कम 60% अंक जरूरी था। परिवहन मंत्रालय ने ड्राइविंग लाइसेंस के नियमों का नया ड्राफ्ट तैयार किया है। इसके तहत कम से कम 30 मिनट का 'सेफ-ड्राइविंग ट्यूटोरियल' देखने के बाद टेस्ट पास करना जरूरी होगा।

इसके अलावा सरकार ने आधार वेरिफिकेशन के जरिए ऑनलाइन मिलने वाली कुछ सर्विस की फीस माफ करने का प्रस्ताव दिया है। इसमें कार्ड में नाम, पता बदलवाने जैसी सर्विस शामिल हैं।

अब नया ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने या पुराना रिन्यू कराने पर आपको साधारण कागज के बजाय 'फॉर्म 7' वाला मजबूत और वाटरप्रूफ PVC कार्ड ही मिलेगा।

ये दस्तावेज मान्य होंगे: पहचान, उम्र और पते के सबूत के तौर पर आप आधार कार्ड, पासपोर्ट, वोटर ID, ई-राशन कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप ड्राइविंग लाइसेंस में अपना नाम, पता या कोई अन्य जानकारी बदलवाने के लिए आवेदन करते हैं, तो RTO अधिकारी को 15 दिन के अंदर आपका काम पूरा करना होगा या आवेदन खारिज करना होगा। यदि आपका आवेदन किसी वजह से रिजेक्ट किया जाता है, तो RTO को उसका सही और स्पष्ट कारण भी लिखित में बताना होगा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676